आज़ादी का अमृत महोत्सव
G20 भारत 2023 INDIA
INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

मसाला समाचार

जुलाई -दिसंबर 2022 (खंड : 33, अंक 02)

इस अंक में

मुख्य समाचार	1
अनुसंधान अद्यतन	2
प्रमुख घटनाएं	7
प्रौद्योगिकी का स्थानांतरण	21
विस्तार गतिविधियां	26
हिंदी अनुभाग	29
कृषि विज्ञान केंद्र	34
अन्य गतिविधियां	36
प्रकाशन	51

मुख्य समाचार

संस्थान को तीसरी बार "सरदार पटेल उत्कृष्ट आईसीएआर संस्थान पुरस्कार" प्राप्त हुआ

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, केरल को सर्वश्रेष्ठ आईसीएआर संस्थान का "**सरदार पटेल उत्कृष्ट आईसीएआर संस्थान पुरस्कार 2021**" से सम्मानित किया गया। संस्थान ने देश की मसाला अर्थव्यवस्था को आकार देने और मसाला क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेता बनाने में एक निर्णायक और मौलिक भूमिका निभाई है। अनुसंधान क्षेत्र में उत्कृष्टता के इस निरंतर प्रयास के लिए यह प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई। पुरस्कार समिति ने माना कि संस्थान का ध्यान सामाजिक और भौगोलिक रूप से वंचित हितधारक समूहों पर कंद्रित करने के परिणामस्वरूप कमज़ोर समुदायों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ हैंडहोल्डिंग वाणिज्यक के माध्यम से मसाला श्रृंखलाओं द्वारा पेश की जाने वाली व्यावसायिक क्षमता का दोहन करने के उद्देश्य से कई प्रभावी हस्तक्षेप कार्यक्रम पर भी जुड़े हुए हैं। संस्थान के निदेशक ने नई दिल्ली में परिषद के 94वें स्थापना दिवस समारोह में माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री. नरेंद्र सिंह तोमर से पुरस्कार प्राप्त किया। इस पुरस्कार में 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र और एक फलक भी शामिल है। संस्थान को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार तीसरी बार मिला है।

डॉ. सी. के. तंकमणी ने परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर श्री. नरेंद्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री से प्रतिष्ठित सरदार पटेल उत्कृष्ट आईसीएआर - संस्थान पुरस्कार प्राप्त किया।

आईआईएसआर मनुश्री (अप्पंगला-3) - एआईसीआरपीएस की 33वीं वार्षिक समूह बैठक में पहचान गई नई नमी तनाव सहिष्णु छोटी इलायची किस्म

आईआईएसआर ने मनुश्री (अप्पंगला -3) नामक एक नई इलायची किस्म विकसित की, जिसे 13-15 अक्तूबर 2022 को आयोजित एआईसीआरपीएस की 33वीं वार्षिक समूह बैठक में ज़ारी करने की सिफारिश की गई थी। यह किस्म मलबार प्रकार की है और इसे आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला, कोडगु, कर्नाटक के जर्मप्लासम संग्रह, आईसी 349537 से चुना गया। यह किस्म नमी तनाव सहिष्णु है। यह सिंचित स्थितियों के तहत 550 किलोग्राम सूखे कैप्स्यूल/हेक्टर की स्थिर उपज क्षमता और नमी तनाव की स्थिति के तहत 360 किलोग्राम सूखे कैप्स्यूल /हेक्टर देता है। इस किस्म में 8.74%एसनश्यल तेल सिंचाई की स्थिति में और 8.84% एसनश्यल तेल नमी तनाव की स्थिति में है, जिसमें 50% कैप्स्यूल > 8 मि.मी. आकार के हैं। एसनश्यल तेल घटकों जैसे α-टरपिनिल एसिटेट और 1.8-सिनोल ने नियंत्रण और नमी तनाव की स्थिति में महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं दिखाई। इस किस्म को कर्नाटक और केरल के छोटी इलायची उगाने वाले इलाकों के लिए सिफारिश की गई है।

आईआईएसआर मनुश्री आईसीएआर-आईआईएसआर, क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला द्वारा विकसित एक नई नमी तनाव सहिष्णु इलायची किस्म

काली मिर्च में आशाजनक जीनोटाइप पहचान के लिए भारित पैरामीटर इंडेक्स

काली मिर्च में आशाजनक जीनोटाइप की पहचान हेतु उपज योगदान लक्षणों के लिए भारित पैरामीटर को प्रस्तावित किए गए हैं जो उपज को अधिकतम भार और घनत्व, स्पाइक लंबाई और फलों की संख्या को अनुगामी दिया गया था। अन्य लक्षण जो वेटेज दिया जाता है, वे है प्रति शाखा में स्पाइक, स्पाइक सेटिंग, बरी का आकार, पेरिकार्प को मोटापन, सूखे उपज

इलायची सूक्ष्म पोषक सूत्रीकरण के लिए आईआईएसआर को पेटेंट मिला

संस्थान को इलायची सूक्ष्म पोषक सूत्रीकरण के लिए 30 नवंबर, 2022 को एक पेटेंट (पेटेंट संख्या 413017) से सम्मानित किया गया। इस तकनीक को आईसीएआर-आईआईसआर, कोषिक्कोड के डॉ. वी. श्रीनिवासन, डॉ. आर. दिनेश और डॉ. एस. हमज़ा, की टीम द्वारा विकसित किया गया था।

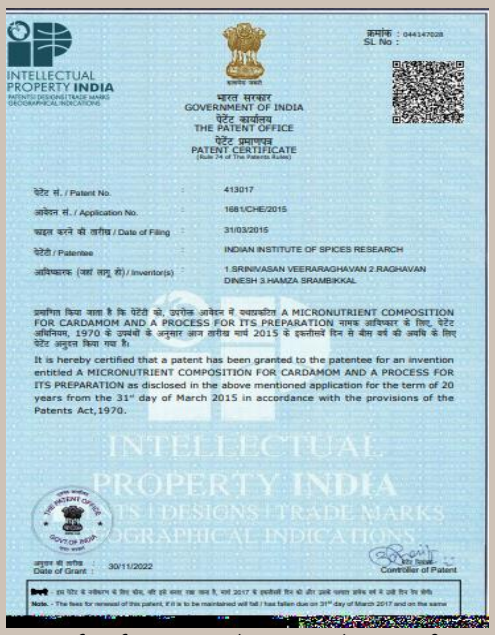

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
पेटेंट कार्यालय
THE PATENT OFFICE
पेटेंट प्रमाणपत्र
PATENT CERTIFICATE

पेटेंट सं. / Patent No.	413017
आवेदन सं. / Application No.	1681/CHE/2015
फाइल करने की तारीख / Date of Filing	31/03/2015
पेटेंटी / Patentee	INDIAN INSTITUTE OF SPICES RESEARCH
आविष्कारक (जहां लागू हो) / Inventor(s)	1.SRINIVASAN VEERARAGHAVAN 2.RAGHAVAN DINESH 3.HAMZA SRAMBIKKAL

It is hereby certified that a patent has been granted to the patentee for an invention entitled A MICRONUTRIENT COMPOSITION FOR CARDAMOM AND A PROCESS FOR ITS PREPARATION as disclosed in the above mentioned application for the term of 20 years from the 31st day of March 2015 in accordance with the provisions of the Patents Act,1970.

Date of Grant : 30/11/2022

Controller of Patent

आईसीएआर-आईआईएसआर को सूक्ष्म पोषक सूत्रीकरण के लिए प्राप्त पेटेंट का प्रमाण पत्र

जल्दी पकने वाले प्रकार आदि। अतिरिक्त पैरामीटर्स जो वेटेज दिया जाता है, वे है फाइटोफ्थोरा प्रतिरोधकता, सूत्रकृमि प्रतिरोधकता, सूखा सहिष्णुता, एन्थ्राक्नोज़ प्रतिरोधकता, उच्च पाइपरिन और उच्च ओलिओरसिन आदि।

काली मिर्च में सूखा सहनशीलता के लिए आशाजनक प्रकारों की छान-बीन

सूखा सहनशील काली मिर्च की चालीस जननद्रव्य अक्सेशनों का सात रूपात्मक गुणों के लिए खेत मूल्यांकन किया गया और अध्ययन के तहत सभी लक्षणों के लिए परिवर्तनशीलता की विस्तृत श्रृंखला देखी गई थी। युपीजीए क्लस्टरिंग विश्लेषण के आधार पर जीनोटाइप को पांच क्लस्टरों में बांटा गया था। क्लस्टर 2 में सबसे अधिक जीनोटाइप (12) थे, इसके बाद क्लस्टर 3 में 10 जीनोटाइप और क्लस्टर 5 में एक जीनोटाइप था।

एनएजीएस, आईआईएसआर, कोषिक्कोड में अनुरक्षित काली मिर्च अक्सेशनों के चयनित सेट का उपयोग करके लक्षण वर्णन, आनुवंशिक विविधता विश्लेषण और सहसंबंध अध्ययन

इस अध्ययन में, काली मिर्च के एनएजीएस में संरक्षित 696 काली मिर्च अक्सेशनों को आईपीजीआरआई विवरणकों के अनुसार 27 गुणात्मक ओर 21 मात्रात्मक लक्षणों के लिए संवर्धित आरसीबीडी में विविधता की सीमा का पता लगाने, लक्षणों के बीच जुड़ाव और एक मुख्य संग्रह बनाने के लिए चरित्रांकित किया गया था। स्पाइक की लंबाई 7.36 से. मी. औसत के साथ 3.00 से 15.80 से. मी. तक होती है। प्रति बेल ताज़ा बरी की उपज 1277.53 ग्राम/बेल की औसत उपज के साथ 200 ग्राम से 6850 ग्राम तक होती है। पाइपरिन सामग्री 3 प्रतिशत के औसत के साथ 1.01 से 7.76 प्रतिशत के बीच थी। लक्षण, पत्ती की लंबाई और पत्ती की चौड़ाई ने स्पाइक की लंबाई के साथ सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित किया, लेकिन फल सेटिंग प्रतिशत और गुणवत्ता मापदंडों के साथ महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध दिखाया। अक्सेशन आईसी 316500, आईसी 316510, आईसी 316550, आईसी 316611, आईसी 316639, आईसी 316788 और आईसी 596345 को प्रति पौधा ताज़ा बेरी उपज के लिए आशाजनक पाया गया। निकटतम प्रवेश दूरी पद्धति के औसत प्रवेश के आधार पर कोर हंटर-3 का उपयोग करते हुए 70 विविध अक्सेशनों का एक उप समुच्चय बनाया गया, जो संघ अध्ययन के लिए एक मिनि -कोर के रूप में काम करेगा। कई आशाजनक जीनोटाइप देखे गए जिनका प्रजनन कार्यक्रमों में अनुकूल उपयोग किया जा सकता है।

काली मिर्च में स्पाइक लक्षणों के आनुवंशिक परिवर्तनशीलता

डीडीआरएडी अनुक्रमण के आधार पर हल्दी के कृषि संबंधी महत्वपूर्ण लक्षणों के लिए जीनोम संबंध विश्लेषण (जीडब्ल्युएएस)

विभिन्न कृषि-रूपात्मक गठन के साथ 51 हल्दी जीनोटाइप का उपयोग करके हल्दी में कुरकुमिन सामग्री, प्रकंद परिधि और प्रकंद लंबाई जैसे मूल्यवान कृषि संबंधी लक्षणों से जुड़े एसएनपी प्राप्त करने के लिए जीडब्ल्युएएस किया गया था। इन लक्षणों के लिए दो वर्षों के खेत मूल्यांकन के आधार पर फेनोटाइपिक अवलोकन किया गया। उच्च

गुणवत्ता वाले 30,438 एसएनपी को < 10% लापता आंकडे और हल्दी के डीडीआरएडी आधारित जीनोम अनुक्रमण से प्राप्त साधारण एलील आवृत्ति के > 5% के आधार पर फिल्टर किए गए थे, जिनका संघ विश्लेषण के लिए उपयोग किया गया था। यहां प्रप्त परिणाम अपनी तरह के पहले है और इससे हल्दी के प्रकंद लक्षणों और कुरकुमिन सामग्री जैसे गुणवत्ता लक्षणों के आनुवंशिक आधार को समझने में मदद मिलेगी।

उच्च उपज वाले संकर पीएच-13 के क्लंप, ताज़े और सूखे कैप्स्यूल

छोटी इलायची की संकर किस्मों पर सीवीटी

नौ संकर और एक राष्ट्रीय चैक किस्म में किये गये सीवीटी परीक्षण में प्रति पौधा उच्चतम ताज़ा और शुष्क उपज संकर पीएच 13 (क्रमश: 630 कि. ग्रा./पौधा और 1.18 कि. ग्रा. /पौधा) में दर्ज की गई, जो पीएच -14 और बोल्ड × आईसी 547219 के बराबर थी जहां प्रति पौधा शुष्क उपज क्रमश : 0.94 और 0.82 कि. ग्रा./पौधा थी। संकर पीएच-13, जिसने उच्च उपज दर्ज की, में 1 ग्रेड - 8 मि. मी. और उससे अधिक (65.81%) कैप्स्यूल का उच्चतम प्रतिशत था, जिसके बाद पीएच-14 (62.85%) और बोल्ड× आईसी 547219 (52.98%) था।

भू-स्थानीय तकनीकों के उपयोग से केरल में हल्दी के लिए भूमि उपयुक्तता का विश्लेषण

भू-स्थानीय तकनीकों का उपयोग करके केरल में हल्दी के लिए भूमि उपयुक्तता का विश्लेषण किया गया। उपयुक्तता विश्लेषण के लिए जलवायु संबंधी मापदंडों (वर्षा, तापमान) भूमि की विशेषताएं (मिट्टी की जल निकासी, मिट्टी की गहराई , मिट्टी का पिएच) और कटाव के खतरे (ढलान) पर विचार किया गया। वर्तमान उपयुक्तता की तुलना 2050 (आरसीपी 4.5 सिनारियो) में भविष्य की उपयुक्तता (आरसीपी 4.5 परिदृश्य के लिए) के साथ की गई थी। विश्लेषण से पता चला कि वर्तमान में केरल के दक्षिणी जिले हल्दी की खेती के लिए अत्यधिक उपयुक्त है जबकि उत्तरी जिले मध्यम रूप से उपयुक्त है और त्रिश्शूर और पालक्काड सामान्य रूप से उपयुक्त है।

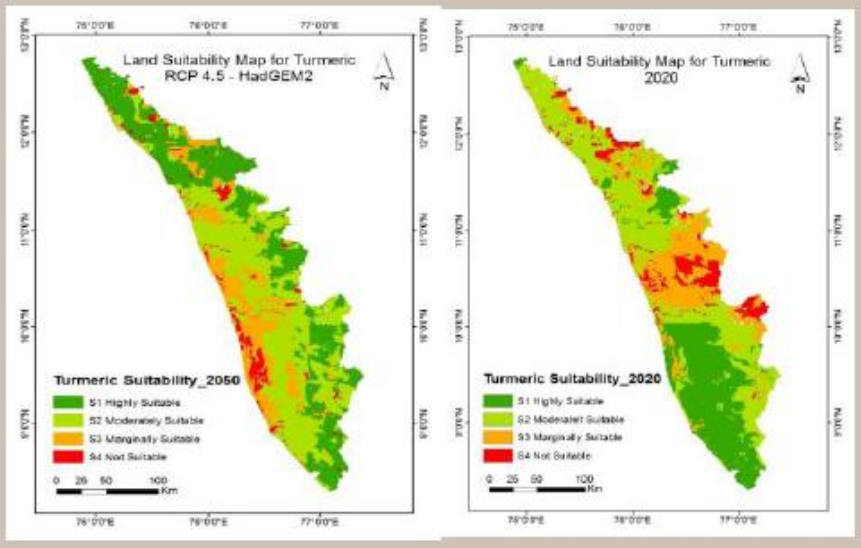

वर्तमान (2020) और भविष्य (2050) के हल्दी के लिए भूमि की उपयुक्तता दिखाने वाले मानचित्र

अनुसंधान अद्यतन

मसालों की लक्षित उपज के लिए मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक सिफारिश *(IISR-eSOFT) -डीएसएस लॉच किया गया।*

यह सॉफ्टवेर मिट्टी की प्रारंभिक उर्वरता, प्रति इकाई उपज के लिए अपेक्षित पोषण (एनआर), मिट्टी से पोषक तत्वों का योगदान (सीएस) और उर्वरक (सीएफ) से योगदान जैसे कारकों के आधार पर लक्षित उपज के लिए उर्वरक सिफारिशों से प्राप्त करने के लिए है जो मानकीकृत, मान्य और प्रमुख मसाला फसलों जैसे काली मिर्च, अदरक, हल्दी और इलायची के लिए अनुशंसित है। इस लक्षित पोषक आपूर्ति के माध्यम से हम मिट्टी में पोषक तत्वों के असंतुलन से बच सकते हैं, उर्वरक उपयोग-दक्षता में सुधार कर सकते हैं और तमाम सिफारिश की तुलना में उपज बढ़ा सकते हैं। जुलाई 2022 में आयोजित आरएसी बैठक के दौरान उर्वरक सिफारिशें प्राप्त करने के लिए एक निर्णय समर्थन प्रणाली आईआईएसआर ईसोफ्ट शुरू की गई थी।

इलीसियम स्पीसीस का बाष्पशील विश्लेषण

अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट क्षेत्र से एकत्र किए गए एक स्थानीय इलीसियम स्पीसीस की अस्थिर संरचना के लिए विश्लेषण किया था। एसनश्यल तेल के जीसी-एमएस प्रोफाइल से पता चला है कि इलीसियम वर्म (स्टार एनिस) में मौजूद ट्रांस - एनेथोल की तुलना में मिरिस्टिसिन (30%) इस प्रजाति का प्रमुख घटक है। एसनश्यल तेल में पहचान गये अन्य प्रमुख बाष्पशील घटक है लिनालूल (13.4%), कैरियोफिलिन (3.7%), डी-जर्माक्रीन (3.3%), बीटा-कैडिनिन (2.9%) और अल्फा कैडिनिन (2.8%) आदि।

अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट क्षेत्र से एकत्रित इलीसियम स्पीसीस

कुरकुमा कैसिया से गैर-स्टार्च पॉलीसेकेराइड का अलगाव और लक्षण वर्णन

ताजा *कुरकुमा कैसिया* प्रकंद के गैर-स्टार्च पॉलीसेकेराइड अंशों को *इन विट्रो* एंटी-ऑक्सिडेंट गतिविधियों के विश्लेषण में निकाला और इस्तेमाल किया गया था। पॉलीसेकेराइड में 0.02 मिलीग्राम /एमएल ग्लूकोज़ समतुल्य होता है और इसमें क्रमश: 62 मिलीग्राम जीएई/एमएल और 22 मिलीग्राम क्युई/एमएल की सांद्रता में फेनोलिक्स और फ्लेवनोइड्स भी होते हैं। पॉलीसेकेराइड में शर्करा की संरचना का एचपीएलसी का उपयोग करके विश्लेषण किया गया और यह पाया गया कि गैलेक्टोज़ प्रमुख चीनी है जिसके बाद ज़ाइलोस और ग्लूकोस है।

मिट्टी की फॉस्फोरस घुलनशीलता और विकास को बढ़ावा देने के लिए आशाजनक फॉसफेट घुलनशील बैक्टिरिया (पीएसबी) का ग्रीन हाउस मूल्यांकन

पीएसबी के प्रयोग से हल्दी के विकास में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि हुई, जैसा कि 60 डीएपी पर अनुपचारित पौधों की तुलना में टिलरों की बढ़ी हुई संख्या, प्ररोह की लंबाई, पत्तियों की संख्या, प्ररोह और जड़ के शुष्क भार आदि से

प्रमाणित है। पीएसबी उपचारों में, उपलब्ध फॉस्फोरस को *बी. सर्फेंसिस* + *बी. सेरेस* + 75% फॉस्फोरस, *बी. सर्फेंसिस* +*बी. मारिसफ्लेवि* + 75% फॉस्फोरस और *बी. सर्फेंसिस* +75% फॉस्फोरस के उपचार में काफी अधिक पाया गया।

मृदा पी घुलनशीलता और विकास संवर्धन के लिए पीएसबी का खेत मूल्यांकन

उपचारों के बीच, 75% पी + *बी. सर्फेंसिस* वाले उपचार ने उल्लेखनीय रूप से उच्च प्रकंद उपज दर्ज की और नियंत्रण (100%पी) और पूर्ण नियंत्रण की तुलना में वृद्धि 46.5 % और 58.0% अधिक थी। मिट्टी में उपलब्ध पी के संबंध में, 50% या 75% या 100% पी के साथ *बी. सर्फेंसिस* के संयुक्त अनुप्रयोग से जुड़े सभी उपचारों में स्तर काफी अधिक थे। *बी. सर्फेंसिस* उपचार में उच्च माइक्रोबियल गतिविधि की पुष्टि डीहाइड्रोजनिस पर अवलोकन के साथ की गई, जिसने *बी. सर्फेंसिस* + 75% पी में अधिक स्तर दर्ज किया और एसिड फॉस्फेट गतिविधि में इसी वृद्धि 100% पी की तुलना में 26.5% अधिक थी।

फाइटोफ्थोरा ट्रोपिकालिस से प्रभावकारक जीन का विश्लेषण

RxLR 29 जीन को *फाइटोफ्थोरा ट्रॉपिकालिस* आईसोलेट 98-93 से क्लोन किया गया और अनुक्रमित किया गया। यह जीन लगभग 827 बीपी लंबा, 275 अमिनो एसिड प्रोटीन के लिए कोडिंग था। RxLR प्रभावकारी प्रोटीन (RxLR29) के ब्लास्ट विश्लेषण ने *फाइटोफ्थोरा सोजे* के RxLR प्रभावकारी प्रोटीन PSR2 के साथ 31.96% समानता दिखाई। SWISS MODEL कार्यक्षेत्र (चित्र a) का उपयोग करके त्रि-आयामी (3 डी) प्रोटीन संरचना का निर्माण किया गया था। प्रोटीन डेटा बैंक (ID: 5GNC) से RxLR29 प्रोटीन के मॉडल के निर्माण के लिए टेम्प्लेट के रूप में 30.08% की अनुक्रम समानता के साथ एक प्रोटीन का उपयोग किया गया। मोलप्रोबिटी कार्यक्रम से रामचंद्रन प्लॉट का उपयोग करके मॉडल की गई संरचना को मान्य किया गया था। मॉडल किए गए प्रोटीन के सभी अमिनो एसिड अवशेष रामचंद्रन प्लॉट अनुमत क्षेत्रों (चित्र बी.) के भीतर फिट होते हैं। RxLR प्रोटीन ने 1.45% मेलप्रोबिटी स्कोर दिखाया, 94.44% अवशेष इष्ट अवशेषों में और 0.85% बाहरी क्षेत्रों में थे।

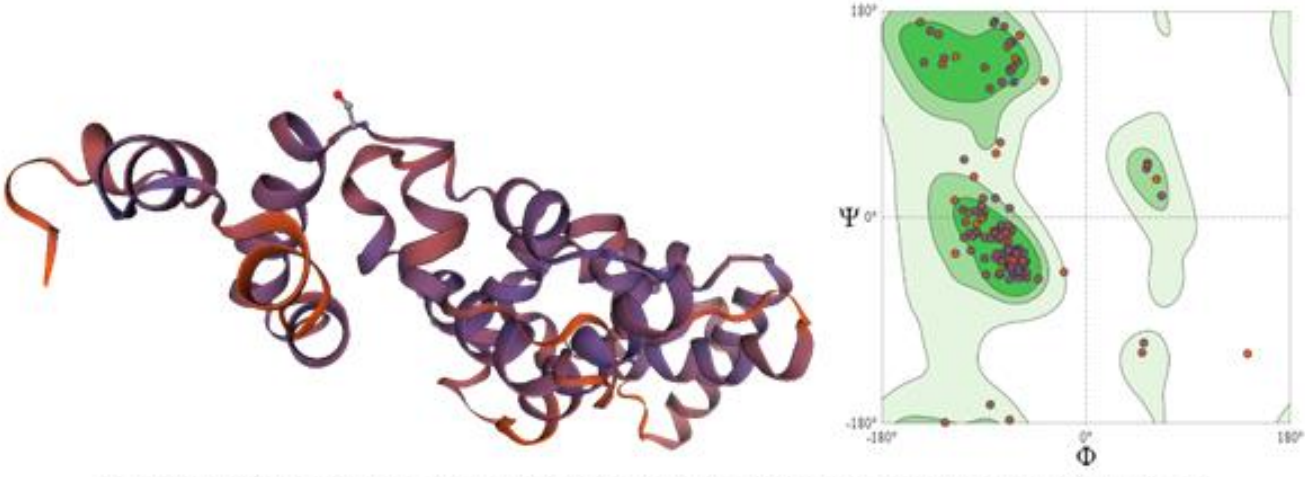

RxLR29 प्रोटीन (ए) और RxLR29 प्रोटीन (बी) के रामचंद्रन प्लॉट की अनुमानित संरचना

प्रमुख घटनाएं

मानव संसाधन विकास

आईसीएआर-आईआईसआर के तकनीशियनों तथा कुशल सहायक कर्मचारियों के लिए प्रकार्यात्मक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण10-12 अगस्त 2022 के दौरान आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का समन्वय श्री. जयराजन के. द्वारा किया गया। आईआईएसआर मुख्यालय, आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि और आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला के सात तकनीकी कर्मचारियों और तीन कुशल सहायक कर्मचारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

तकनीकी कर्मचारियों और कुशल सहायक कर्मचारियों के लिए 10-12 अगस्त 2022 के दौरान आयोजित प्रकार्यात्मक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

"लाइफ साइन्स मीट्स प्रोग्रामिंग" पर कार्यशाला

शोध छात्रों, वैज्ञानिकों तथा सहायक आचार्य के लिए भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड के जैवसूचना केंद्र द्वारा 13-15 सितंबर 2022 के दौरान "लाइफ साइन्स मीट्स प्रोग्रामिंग" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. संतोष जे. ईपन, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। आईसीएआर-आईआईएसआर से सुश्री सोना चार्ल्स, श्री. मुकेश शंकर एस. और श्री. जयराजन के. अमृत विश्व विद्यापीठम से डॉ. प्रशांत एन. सुरवझाला, भाकृअनुप-केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल से श्री. सबीष ए. और एम एस स्वामिनाथन रिसर्च फाउंडेशन से डॉ. मेरलिन लोपस द्वारा विभिन्न सत्रों का संचालन किया गया। कार्यशाला में सिद्धांत के साथ-साथ बुनियादी जैवसूचना, आर, पायथन, लिनक्स और गैलक्सी का परिचय आदि पर व्यावहारिक सत्र शामिल थे। परिषद के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा कालेजों से प्राप्त 200 आवेदनों से 15 प्रतिभागियों का चयन किया गया। चर्चा के दौरान प्रतिभागियों की शंका का निवारण भी किया गया।

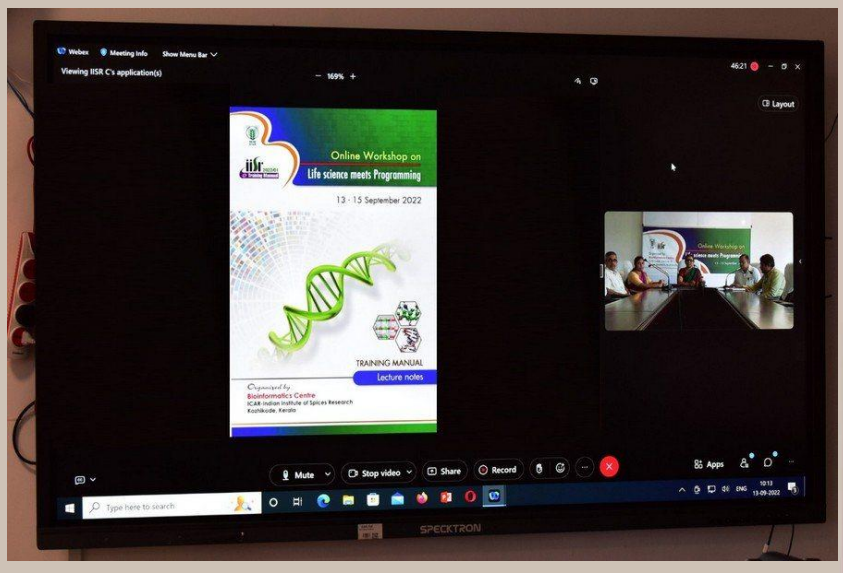

13-15 सितंबर 2022 के दौरान "लाइफ साइन्स मीट्स प्रोग्रामिंग" पर ऑनलाइन कार्यशाला

अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना

कोविड-19 महामारी के बाद भाकृअनुप-अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की XXXIII वीं वार्षिक समूह बैठक 13-15 अक्तूबर 2022 को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, उत्तर प्रदेश में पहली बार ऑफलाइन मोड में आयोजित की गई। डॉ. एन. के. कृष्ण कुमार, पूर्व उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने समूह बैठक का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने भारत में मसाला व्यापार में बाज़ार की क्षमता को मज़बूत करने और इसके लिए बाज़ार की जानकारी तैयार करने पर भी प्रकाश डाला। डॉ. सी. के. तंकमणी, निदेशक एवं परियोजना समन्वयक (मसाले) आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड ने सभी का स्वागत किया और वर्ष 2021-22 में एआईसीआरपीएस की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। डॉ. बिजेंद्र सिंह, उप कुलपति, एएनडीयुएटी, कुमारगंज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अंतर फसल के रूप में मसाले उगाने के महत्व पर ज़ोर दिया। डॉ. वी. ए. पार्थसारथी, पूर्व निदेशक एवं परियोजना समन्वयक, (मसाले) आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड समारोह में सम्मानित अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में सरदार कृषिनगर दंडिवाडा कृषि विश्वविद्यालय, जगुदान को "सर्वश्रेष्ठ एआईसीआरपीएस केंद्र पुरस्कार 2021-22" प्रदान किया गया। डॉ. जे. रमा, पूर्व निदेशक एवं परियोजना समन्वयक, (मसाले) आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड, डॉ. होमी चेरियान, निदेशक, डीएएसडी, कोषिक्कोड, डॉ. संजय पाठक, डीन बागवानी कालेज, एएनडीयुएटी, कुमारगंज, डॉ. एस. एन. सक्सेना , कार्यकारी निदेशक, आईसीएआर-एनआरसीएसएस, अजमेर,

राजस्थान, डॉ. ए. बी. रमश्री, निदेशक (अनुसंधान) स्पाइसस बोर्ड, कोच्चि आदि ने बधाई दी। डॉ. के. एस. कृष्णमूर्ति, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यशाला का आयोजन छह तकनीकी सत्रों जैसे आनुवंशिक संसाधन एवं फसल सुधार, फसल प्रबंधन, फसल संरक्षण, किस्म विमोचन, प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और संपूर्ण सत्र के रूप में किया गया। कार्यशाला के दौरान, आईसीएआर-एआईसीएरपीएस ने आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला , कोडगु, कर्नाटक द्वारा विकसित छोटी इलायची किस्म अप्पंगला -3 को विमोचित करने के लिए संस्तुत किया गया।

एआईसीएरपीएस की XXXIII वीं वार्षिक समूह बैठक में तीन तकनीकों की भी अपनाने की सिफारिश की गई। जैसे,

1. ज़िंक, लोहा, मैंगनीस और बोरोन की आधी मात्रा का प्रयोग उनके पर्णीय छिड़काव के साथ मृदा उपचार करने पर जीरे की उत्पादकता को 3.96 का उच्च लाभ-लागत अनुपात के साथ 684.6 कि. ग्रा. / हेक्टर तक बढ़ा सकता है।
2. मेथी की ड्रिप सिंचाई अंतराल का मानकीकरण और सूक्ष्म पोषक फर्टिगेशन विधि।
3. क्रेज़ोक्सिम मीथाइल 44.3 एससी @ 0.044%. के तीन पर्णीय छिड़कावों का प्रयोग करके जीरे में एफिड और ब्लाइट का प्रबंधन।

एएनडीयुएटी, कुमारगंज में 13-15 अक्तूबर 2022 को संपन्न एआईसीआरपीएस कार्यशाला की झलकियां

प्रमुख घटनाएं

आईसीएआर-आईआईसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में छोटी इलायची खेत दिवस

भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आईसीएआर-आईआईसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में दिनांक 22.08.2022 को "छोटी इलायची खेत दिवस" आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन इलायची पौधों की सिंचाई करके किया गया। श्री. के. जी. रामचंद्रा, प्रगतिशील किसान और कृषि पंडित पुरस्कार विजेता कलाले, सकलेशपुरा ने अपने उद्घाटन भाषण में कृषि अनुभव, विशेषकर इलायची खेती के अनुभव को साझा किया। डा. के. एस. आनंदा, पूर्व अध्यक्ष, सीपीसीआरआई क्षेत्रीय स्टेशन, विट्टल ने अपने संबोधन में मिश्रित फसल प्रणाली के महत्व एवं नवीन प्रजातियों के चयन के बारे में प्रकाश डाला। श्री. सुदीप, प्रगतिशील किसान ने इलाय़ची खेती में अपने अनुभव को साझा किया। डॉ. एस. जे. आंकेगौडा, प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में उच्च बाज़ार मूल्य प्राप्त करने के लिए चिरस्थायी उत्पादन के महत्व पर ज़ोर दिया और निर्यातित उपज की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उर्वरकों और पौध संरक्षण रसायनों के कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. अक्षिता एच. जे., वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला ने छोटी इलायची की उत्पादन तकनीकी में हुई प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। डॉ. शिवकुमार एम. एस., वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिभागियों को इलायची के प्रायोगिक खेतों और गुणन ब्लॉकों में ले जाया गया। चालू रही विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तृत व्याख्यान दिया और इलायची के रोपण और कटाई का प्रदर्शन भी किया। इलायची और काली मिर्च प्रजातियों तथा तकनीकियों का प्रदर्शन आयोजित किया था। खेत दिवस में कोडगु, चिकमंगलूर, मैसूर, दक्षिण कन्नडा और हस्सन जिलों से लगभग 41 किसानों ने भाग लिया।

अप्पंगला में 22.08.2022 को आयोजित छोटी इलायची खेत दिवस

दिनांक 1 जुलाई 2022 को आईसीएआर-आईआईएसआर स्थापना दिवस समारोह

भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) ने 1 जुलाई 2022 को अपना स्थापना दिवस मनाया। डॉ. ए. के. सिंह , उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने समारोह का उद्घाटन किया। डॉ. एस. जयश्री, अध्यक्ष, स्थायी समिति (स्वास्थ्य), कोषिक्कोड नगर निगम और पूर्व प्रिंसिपाल, सरकारी कला और विज्ञान महाविद्यालय, कोषिक्कोड उस दिन की सम्मानित अतिथि थी। बैठक की अध्यक्षता डॉ.

प्रमुख घटनाएं

विक्रमादित्य पांडे, सहायक महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने की। डा. मनोज पी. सामुवल, कार्यकारी निदेशक, केंद्रीय जल संसाधन विकास और प्रबंधन (सीडब्ल्युआरडीएम) ने 'जल: बदलते जलवायु परिदृश्य के मद्देनज़र मात्रा और गुणवत्ता प्रबंधन रणनीतियां' पर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। महिला उद्यमियों का समर्थन करने के उद्देश्य से एक नई पहल में, संस्थान ने अपने ऑफ कैंपस इनक्युबेटी, सुमन रिसर्च एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, पालाषी, कोषिक्कोड द्वारा विकसित धनिया और मसालों का एक पारंपरिक नुस्खा उत्पाद, मल्लिकाप्पी लॉन्च किया। स्थापना दिवस के भाग के रूप में संस्थान ने कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के जोमी मैथ्यु, हिमाचल प्रदेश के कर्नल प्रकाश चंद राणा और कोषिक्कोड के एम एम जोसफ को महत्वपूर्ण योगदान के लिए मसाला उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया; मेसर्स नामसाई ऑर्गेनिक स्पाइसेस एंड एग्रिकल्चरल प्रोडक्ट्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और मेसर्स अट्टाप्पाडी कोओपरेटीव फार्मिंग सोसाइटी ने मसाला क्षेत्र में अपने हस्तक्षेप के लिए संस्थागत श्रेणी में मसाला पुरस्कार जीता। संस्थान ने मेसर्स केशव प्लान्ट्स एंड लान्डस्केप्स (जायफल किस्म, आईआईसआर विश्वश्री और आईआईसआर केरलश्री) तथा मेसर्स ओलेविया एग्रोफार्मिंग प्राइवट लिमिटेड (काली मिर्च किस्म, आईआईएसआर तेवम) के साथ दो वराइटी लाइसेंसिंग समझौते भी निष्पादित किए। संस्थान ने हल्दी और इलायची की खेती पर दो विस्तार पुस्तिकाएं ज़ारी कीं।

प्रमुख घटनाएं

स्थापना दिवस कार्यक्रम की झलक

प्रमुख घटनाएं

आईसीएआर सेवा नियमों पर वेबिनार

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड में 12 अगस्त 2022 को आईसीएआर सेवा नियमों पर वेबिनार आयोजित किया। डॉ. सी. के. तंकमणी, कार्यकारी निदेशक ने परिचयात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की और श्री. टी. ई. जनार्द्दनन वैज्ञानिको, तकनीकी और प्रशासनिक श्रेणियों के लिए आईसीएआर सेवा नियमों का विवरण प्रस्तुत दिया।

आईआईएसआर ने स्वतंत्रता दिवस 2022 मनाया

संस्थान के सभी केंद्रों में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। मुख्यालय में डॉ. सी. के. तंकमणी, कार्यकारी निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आईआईएसआर कोषिक्कोड, तथा आईआईसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण समारोह में शामिल किया।

प्रमुख घटनाएं

आईसीएआर-आईआईएसआर ने मेसर्स बेयर क्रोप सायन्स लिमिटड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) ने 25 अगस्त 2022 को क्षमता निर्माण, पौध संरक्षण और सूत्रकृमि प्रबंधन कार्यक्रमों के विकास के लिए बेयर क्रोप सायन्स लिमिटड के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए। दोनों संगठन अनुसंधान ज्ञान, विशेषज्ञता और क्षमताओं का साझा करने के लिए सहयोग करेंगे। साझेदारी का उद्देश्य मसालों, विशेष रूप से काली मिर्च और अदरक में नेमटोड प्रबंधन के लिए एक मॉड्यूल विकसित करने पर विशेष ज़ोर देने के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करना भी है। इस समझौते पर डॉ. संगीता मेंदिरत्ता और श्री. योगेश मोहिते सहित बेयर के विभिन्न प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए, जबकि डॉ. सी. के. तंकमणी, निदेशक (कार्यकारी) ने बैठक की अध्यक्षता की। श्री. योगेश मोहिते और डॉ. वी. श्रीनिवासन क्रमश: बेयर क्रोप साइंस लिमिटड और आईसीएआर-आईआईएसआर अधिदेशों और मिशनों को संक्षेप में प्रस्तुत किया। डॉ. ए. ईश्वर भट्ट, अध्यक्ष (कार्यकारी) . फसल संरक्षण प्रभाग ने समझौते के बारे में जानकारी दी और समझौता ज्ञापन के विभिन्न घटकों के तहत प्रस्तावित गतिविधियों के बारे में बताया। सहयोग का उद्देश्य बड़े पैमाने पर भारत के कृषि समुदाय के लाभ के लिए समझौता ज्ञापन के उद्देश्य और मिशन को प्राप्त करने की दिशा में सुरक्षित मसाला उत्पादन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का विकास करना है।

आईसीएआर-आईआईएसआर और मेसर्स बेयर क्रोप साइंस लिमिटड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 का शुभारंभ

भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) अभिनव फिटनस अभियान शुरू करके फिट इंडिया मिशन 3.0 में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। आईआईएसआर ने तीनों केंद्रों जैसे, आईसीएआर-आईआईएसआर कोषिक्कोड, आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला और आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में दिनांक 02.10.2022 को फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 का उद्घाटन किया। आईसीएआर-आईआईएसआर कोषिक्कोड में संस्थान के निदेशक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह अभियान नागरिकों को भारत की 75वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ पर फिटनेस के लिए प्रतिबद्ध होते हुए किसी भी रूप में 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि शामिल करने और सक्रिय जीवन शैली का जश्न मनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

साइबर जागरूकता दिवस 2022

आईआईएसआर के वार्षिक दिवस समारोह के भाग के रूप में साइबर जागरूकता दिवस के अवसर पर दिनांक 6 अकतूबर 2022 को डॉ. गीता राधाकृष्णन, सहायक प्रोफसर, कंप्यूटर सायन्स, केरल कृषि विश्व विद्यालय द्वारा साइबर सुरक्षा: “सुरक्षित रहें : साइबर स्मार्ट बनें” पर एक व्याख्यान आयोजित किया था।

प्रमुख घटनाएं

राष्ट्रीय एकता दिवस

वास्तविक और संभावित चुनौतियों का सामना करने में हमारे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए 31.10.2022 को आईआईएसआर में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। आईआईएसआर ने प्रतिज्ञा ग्रहण समारोह आयोजित करके इस समारोह को मनाया। निदेशक ने समारोह का नेतृत्व किया और स्टाफ सदस्यों ने हमारे राष्ट्र की ताकत और लचीलेपन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने की प्रतिज्ञा ली।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर), कोषिक्कोड ने 31 अक्तूबर से 6 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। दिनांक 31 अक्तूबर 2022 को सुबह 11 बजे डॉ. डी. प्रसाथ (प्रधान वैज्ञानिक और सतर्कता अधिकारी) ने स्टाफ को संबोधित किया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। डॉ. सी. के. तंकमणी, निदेशक ने स्टाफ सदस्यों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां शामिल थी, जैसे अखंडता प्रतिज्ञा, नारा लेखन और चित्र रचना, भाषण, सतर्कता प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं शामिल थीं और लगभग 100 प्रतिभागियों के साथ सतर्कता जागरूकता रैली भी आयोजित की। समापन समारोह 4 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. डी. प्रसाथ ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 की रिपोर्ट प्रस्तुत की और श्रीमती निर्मला देवी, महा डाकपाल , कोषिक्कोड ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और जनता के बीच सतर्कता जागरूकता के बारे में अपना विचार साझा किया। श्री. आर. भरतन, मुख्य तकनीकी अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुई।

स्वच्छता पखवाडा 2022

डॉ. आर. दिनेश, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर द्वारा 16 दिसंबर 2022 को स्वच्छता पखवाडा का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। निदेशक द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई गई, जिसमें स्टाफ के साथ छात्रों ने भी भाग लिया। निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर द्वारा अनुष्ठानिक पौधारोपण किया गया, जिसके बाद स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सामाजिक विज्ञान, फसल उत्पादन, प्रशासन तथा पुस्तकालय द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रम चलाए गए। आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला और आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में भी स्वच्छता पखवाडा के संबंध में विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आईआईएसआर कोषिक्कोड में आयोजित स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम

प्रमुख घटनाएं

स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में दिनांक 28.12.2022 को सरकारी प्राथमिक विद्यालय, बेट्टागिरी गांव के प्रथम से सातवें दर्जे के छात्रों के लिए निबंध लेखन और चित्र रचना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाडा के संबंध में, आईसीएआर-आईआईएसआर का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वयं सेवकों के एक दल ने 28.12.2022 को मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत संस्थान द्वारा गोद लिए गए गांव कट्टिप्पारा का दौरा किया। निर्मला यु. पी. स्कूल, चमाल में वैज्ञानिक-किसान पारस्परिक चर्चा का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन श्री. मोहम्मद मोयथ, अध्यक्ष, कट्टिप्पारा ग्राम पंचायत द्वारा किया गया।

28.12.2022 को स्वच्छता पखवाडा के तहत कट्टिप्पारा गांव में मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम का आयोजन

प्रमुख घटनाएं

आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला के अधिकारियों द्वारा बागवानी विभाग, लालबाग, बैंगलूरू के स्नातक प्रशिक्षुओं के लिए स्वच्छता और दौनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

स्वच्छता पखवाडा 2022 का समापन समारोह 30 दिसंबर 2022 को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान (मुख्यालय), कोषिक्कोड में संपन्न हुआ। निदेशक ने समारोह की अध्यक्षता की और स्वच्छता पखवाडे के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। सभी कार्यक्रम "स्वच्छता और स्वच्छ भारत" विषय पर आयोजित किए गए।

स्वच्छता 2.0, लंबित मामलों के निपटान के लिए एक विशेष अभियान 02-31 अक्तूबर , 2022 में आईसीएआर-आईआईएसआर, चेलवूर, क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला, प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि, कृषि विज्ञान केंद्र, पेरुवण्णामुषि में आयोजित किया गया था। स्थान के कुशल प्रबंधन के लिए, आईसीएआर-आईआईएसआर, चेलवूर, क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला, प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि, कृषि विज्ञान केंद्र, पेरुवण्णामुषि के भंडार कक्ष की सफाई की गई और कबाड की छंटाई की गई।

बच्चों में खेती की रुचि को बढ़ावा देने के लिए, सेंट जोसफ हाई स्कूल, चेम्बानोड के छात्रों को सब्जी के बीज वितरित किए गए और छात्रों को शामिल करके कृषि विज्ञान केंद्र, पेरुवण्णामुषि में वनस्पति उद्यान की स्थापना की गई। स्वच्छता अभियान के एक भाग के रूप में, क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में "स्वच्छ भारतीय, हरित भारत" विषय पर संविदा कर्मियों के बीच चित्र रचना प्रतियोगिता आयोजित की गई।

आईसीएआर-आईआईसआर, कोषिक्कोड में 27-28 जुलाई 2022 को तीसरी शोध सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई।

आईसीएआर-आईआईसआर की IXवीं शोध सलाहकार समिति की तीसरी बैठक 27-28 जुलाई 2022 को हाइब्रिड मोड पर आयोजित की गई थी। डॉ. एन. के. कृष्णकुमार, पूर्व उप महानिदेशक (बा.वि.) आईसीएआर IXवीं आरएसी के अध्यक्ष थे। डॉ. जितेंद्र कुमार, निदेशक, कीटनाशक सूत्रीकरण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी), गुरुग्राम, दिल्ली, डॉ. हेमेंद्र सी. भट्टाचार्या, पूर्व डीईई, एएयु, जोरहाट और डीन, डाफोडिल बागवानी कॉलेज, गुवाहटी (मेट्रो) असम, श्री. जयचंद्रन मास्टर, टी. पी. (आईएमसी सदस्य) और डॉ. सी. के. तंकमणी, निदेशक, आईसीएआर-आईआईसआर, कोषिक्कोड और सदस्य सचिव आरएसी ने व्यक्तिगत रूप से बैठक में भाग लिया, जबकि अन्य सदस्य डॉ. उमेश श्रीवास्तव, पूर्व सहायक महानिदेशक (बागवानी) आईसीएआर; डॉ. वी. सी. माथुर, पूर्व प्रोफसर, कृषि आर्थिकी प्रभाग, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली: श्री नंजुंदन भोजन (आईएमसी सदस्य); डॉ. विक्रमादित्य पांडे, सहायक महानिदेशक (बागवानी विज्ञान -I), आईसीएआर, नई दिल्ली ने सिस्को वेबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन बैठक में भाग लिया, जबकि सदस्य डॉ. वी. जी. मालती, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान), भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने स्वास्थ्य ठीक न होने से बैठक में शामिल नही हो रही है।

दिनांक 27 जुलाई 2022 को डॉ. एन. के. कृष्णकुमार, अध्यक्ष, आरएसी ने आरएसी के अन्य सदस्यों, संस्थान के निदेशक तथा अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में संस्थान के एसनशयल तेल निष्कर्ष इकाई का उद्घाटन किया। इसके बाद संस्थान के परिसर में आरएसी के अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया गया। बाद में, अध्यक्ष और समिति के अन्य सदस्यों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं तथा नर्सरी और अदरक बाग के अन्य सुविधाओं का दौरा किया।

आरएसी की औपचारिक बैठक 27 जुलाई 2022 को सुबह 11.30 बजे आईसीएआर गीत के साथ शुरू हुई। निदेशक ने सदस्यों का स्वागत किया और तत्पश्चात् अध्यक्ष और आरएसी के सदस्यों द्वारा टिप्पणी शुरू हुई। संस्थान के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का परिचय कराया गया। डॉ. वी. श्रीनिवासन, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, पीएमई सेल ने IXवीं आरएसी की दूसरी बैठक की कार्रवाई की रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत की।

निम्न लिखित का लॉच और प्रकाशनों का विमोचन किया गया:

1. आईआईएसआर ई-सोफ्ट (मसालों में लक्षित उपज के लिए मृदा-परीक्षण आधारित उर्वरक की सिफारिश) का शुभारंभ: डॉ. एन. के. कृष्णकुमार द्वारा विमोचन किया गया।
2. आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड द्वारा विकसित खाद्य उत्पादों का सुभारंभ (तीन प्रकार के मसालों के स्वाद वाली फिंगर मिलेट कुकीज़ और छह प्रकार के मसालों के स्वाद वाली आईसक्रीम) : डॉ. जितेंद्र कुमार द्वारा विमोचन किया गया।
3. श्री. जयचंद्रन मास्टर टी. पी. द्वारा जैविक खेती के लिए हल्दी किस्मों पर विस्तार पुस्तिकाओं का विमोचन किया गया।
4. डॉ. हेमेंद्र सी. भट्टाचार्य द्वारा आईसीएआर-आईआईसआर के मसाला किस्मों का संकलन का विमोचन किया गया।
5. डॉ. विक्रमादित्य पांडे द्वारा मसाला पुरस्कार: प्रोफाइल्स इन एक्सलेंस दिया गया।

महा परियोजनाओं के नेताओं द्वारा वर्ष 2021-22 के दौरान हुई प्रगति को प्रस्तुत किया। आरएसी के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों द्वारा सात महा परियोजनाओं के तहत हुई प्रगति की आलोचनात्मक समीक्षा की और परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक आरएसी के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों की टिप्पणियों से साथ समाप्त हुई और उसके बाद डॉ. सी. के. तंकमणी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पीएमई सेल

आरएसी के अध्यक्ष और सदस्यों ने 28 जुलाई 2022 को आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र तथा कृषि विज्ञान केंद्र, पेरुवण्णामुषि का दौरा किया और परीक्षणों को ठीक करने के लिए सुझाव दिए गए।

आरएसी बैठक और संबंधित यात्राओं की झलक

प्रौद्योगिकियों का अंतरण

व्यापार योजना और विकास विभाग

कोषिक्कोड की एक युवा महिला किसान बिंदु जोसफ ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार-2021 जीता। उन्हें 16 जुलाई 2022 को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर से एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति पत्र और एक स्मृति चिंह्न सहित पुरस्कार मिला। भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड के तहत पेरुवण्णामुषि में आईसीएआर-केवीके द्वारा बिंदु को पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। उन्हें स्थायी और एकीकृत कृषि प्रणालियों, मृदा स्वास्थ्य और जल संरक्षण, कृषि अपशिष्ट प्रबंधन और कृषि गतिविधियों के विविधीकरण पर उनके काम के लिए सम्मानित किया गया। केवीके के अधिकारियों ने साथी किसानों के बीच प्रौद्योगिकी के क्षैतिज प्रसार के लिए उनके प्रयासों को श्रेय दिया।

कृषि उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण

आईआईएसआर ने 13-15 सितंबर 2022 तक मसालों की खेती और व्यवसाय विकास में मदद करने के लिए मैनेज, हैदराबाद के साथ साझीदारी में एक ऑनलाइन सहयोगात्मक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी) की सुविधा प्रदान की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे भारत से 55 निपुण कृषि उद्यमियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान, एबीआई इकाई के कई इनक्युबेट्स ने अपनी जीत और अनुभव साझा किए, जिनमें मेसर्स Hi7 एग्री बायोसोल्यूशन्स लिमिटड से श्री गावस्कर, एसआरटी एग्रो साइंस प्राइवट लिमिटड से सुश्री पूजा राव ओर स्पाइसर प्राइवट लिमिटड, कोषिक्कोड, केरल से श्री. अलोग मेनन शामिल थे। मसालों की खेती और बिक्री में व्यवसायों का समर्थन करने के लिए आईआईएसआर की प्रतिबद्धता के अनुरूप कार्यक्रम का समन्वय डॉ. श्रीजा द्वारा संभाला गया था।

"मल्लिकाप्पी" का शुभारंभ: उत्पाद की ब्रांडिंग और विपणन में आईआईएसआर की भूमिका

आईआईएसआर ने सीधे किसानों से प्राप्त मसाला आधारित मूल्य उत्पादों की ब्रांडिंग और विपणन में ऐसे स्टार्ट अप में से एक को अपना समर्थन दिया है। केरल के स्थानीय लोगों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले मसालों से बना एक पारंपरिक प्रतिरक्षा बूस्टर, मल्लिकाप्पी, को आधिकारिक तौर पर संस्थान के स्थापना दिवस पर 1 जुलाई को इनक्युबेटी "सुमन रिसर्च एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर" की ओर से लॉच किया गया था, जो एक एनजीओ है जो कोषिक्कोड जिले की मानसिक रूप से विक्षिप्त महिलाओं के पुनर्वास के लिए काम कर रहा है।

केरल के उद्यमी ने आईसीएआर-आईआईएसआर के उद्भवन के साथ वर्षों के शोध के बाद 'कुरकु-मील' विकसित किया।

त्रिश्शूर, केरल की एक उद्यमी श्रीमती गीता सलीश ने आईसीएआर-आईआईएसआर के उद्भवन के साथ दो साल के कठिन और लगातार शोध के बाद "कुरकु-मील" विकसित किया। "कुरकु-मील" हल्दी, खजूर, बादाम, नारियल के दूध और गुड़ का मिश्रण है। कुरकु-मील की तैयारी के लिए, उच्च कुरकुमिन सामग्री वाली हल्दी की प्रतिभा किस्म सबसे उपयुक्त है। आईसीएआर-आईआईसआर स्थापना दिवस पर, उन्हें आईआईसआर से विशेष रूप से आईआईसआर प्रतिभा हल्दी की खेती के लिए लाइसेंस प्राप्त हुआ।

प्रौद्योगिकियों का अंतरण

माननीय प्रधान मंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए कृषि सम्मेलन में आईआईएसआर के अभिनव स्टार्ट-अप का समर्थन किया

आईआईएसआर ने एग्री स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव और किसान सम्मेलन-2022 में तीन स्टार्ट अप लाइसेंसधारियों / फर्मों, अर्थात् छत्तीसगढ़ से एसआरटी एग्रो साइंस प्राइवट लिमिटेड, कर्नाटक से कोडगु एग्रीटेक और एचआई 7 एग्री बायो सॉल्यूशन्स की भागीदारी की सुविधा प्रदान की। यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित किया गया था और 17 अक्तूबर , 2022 को आईएआरआई मेला ग्राउंड, पूसा, नई दिल्ली में हुआ था। स्टार्ट अप कृषि से संबंधित अपने नवीन विचारों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने में सक्षम थे और आईआईएसआर द्वारा प्रदान किए गए समर्थन के लिए धन्यवाद अदा करते हैं।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

- जुलाई-दिसंबर 2022 की अवधि में देश भर के विभिन्न किसानों/फर्मों के साथ चार लाइसेंस समझौते निष्पादित किए गए, तीन काली मिर्च और जायफल की किस्मों के व्यावसायिक गुणन और विपणन के लिए और एक तकनीक 'पीजीपीआर/सूक्ष्मजीवों के भंडारण और वितरण की एक नई विधि' के लिए 'बायोकैप्स्यूल' के माध्यम से है।
- 'इलायची के लिए एक सुक्ष्मपोषक संरचना और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया' प्रौद्योगिकी के लिए पेटेंट दिया गया (भारतीय पेटेंट संख्या 413017, दिनांक 31.03.2015)।
- दानेदार चूना सूत्रीकरण और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया हेतु राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण की स्वीकृति भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या -202241010858 के आविष्कार के लिए प्राप्त की गई थी।

परामर्श संसाधन सेल

- आईआईएसआर ने मसालो की खेती, उत्पादन और सुरक्षा उपायों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के विकास पर सहयोगी अनुसंधान के लिए मैसर्स बायर क्रॉप साइंस प्राइवट लिमिटड, महाराष्ट्र के साथ एमओए में प्रवेश किया।
- आईटीएमयु और एबीआई ने केरल और कर्नाटक के काली मिर्च के विभिन्न बागानों के लिए 3 परामर्श यात्राओं की सुविधा प्रदान की।
- सलाहकार के रूप में डॉ. बिजु ने 15-16 नवंबर 2022 को काली मिर्च की उपज का आकलन करने के लिए मईफील्ड एस्टेट, हारिसनस मलयालम लिमिटड, गूडलूर, नीलगिरि (जिला), तमिलनाडु के दो डिविज़नों (मईफील्ड और एवोंडेल) का दौरा किया।

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र

अट्टप्पाडी सहकारी कृषि सोसायटी के लिए समर्थन

आईसीएआर-आईआईएसआर ने अपने मसाला उत्पादन कार्यक्रमों में सुधार के लिए हैंडहोल्डिंग सेवाओं के माध्यम से जनजातीय आबादी के कल्याण के लिए स्थापित संस्था, अट्टप्पाडी सहकारी कृषि सोसायटी से जुड़े जनजातीय लाभार्थियों के लिए समर्थन बढ़ाया। पहल के हिस्से के रूप में, संस्थान ने एसीएफएस को 300 जायफल ग्राफ्ट (आईआईएसआर केरलश्री), 300 दालचीनी के पौधे, 300 लौंग के पौधे और 500 इलायची सकेर्स (250 आईआईएसआर अविनाश और 250 अप्पंगला 1) की आपूर्ति की।

अदरक की वैज्ञानिक खेती पर प्रशिक्षण

आईसीएआर-आईआईएसआर ने 23-25 अगस्त 2022 के दौरान तेलंगाना के संगरेड्डी जिले के 21 एफपीओ प्रतिनिधियों के लिए उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए अदरक की वैज्ञानिक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम नबार्ड, संगरेड्डी की वित्तीय सहायता से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कक्षा सत्र और फील्ड दौरे शामिल थे।

त्रिपुरा में मसालों पर कार्यशाला

दिनांक 27-28 सितंबर, 2022 के दौरान अगरतला के बागवानी विभाग, त्रिपुरा सरकार के सहयोग से "मसालों के उन्नत उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के संसाधन व्यक्तियों ने उस क्षेत्र में मसाला उत्पादन में सुधार लाने के लिए रणनीति तैयार करने के लिए अधिकारियों, किसान प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत की।

आदिवासी सशक्तीकरण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण एवं आदान आपूर्ति कार्यक्रम

संस्थान ने सितंबर में विभिन्न भागीदार संस्थानों के सहयोग से आदिवासी सहायता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। वयनाड के तविंजल में मसालों की खेती पर (22 सितंबर 2022), पोषुताना, वयनाड के महिलाओं के लिए मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण (22 सितंबर 2022) और मीनंगाडी में काली मिर्च की खेती पर प्रशिक्षण (24 सितंबर 2022) आदि कुछ महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम थे। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु लाभार्थियों की विभिन्न प्रौद्योगिकी इनपुट आवश्यकताओं को भी वितरित किया गया।

मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में पोषुताना, वयनाड की आदिवासी महिला लाभार्थी

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र

सीमांत समुदायों पर पिछवाडे के मुर्गीपालन को लोकप्रिय बनाया

संस्थान ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के परिवारों के बीच पिछवाडे के मुर्गी पालन को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रित हस्तक्षेप किया। एससी एसटी बस्तियों के कुल 50 घर पहचान की गई। कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड के सहयोग से प्रत्येक लाभार्थी को उन्नत किस्म, ग्रामश्री के दस परत वाले चुजों की आपूर्ति की गई। इस हस्तक्षेप से परिवारों की पोषण सुरक्षा में वृद्धि होने और इन लक्षित समुदायों के बीच पूरक आय के व्यवहार्य स्रोत के रूप में लेयर मुर्गी पालन को लोकप्रिय बनाने की उम्मीद है। लेयर मुर्गी प्रबंधन और लेयर चूजों के वितरण पर प्रशिक्षण 24 सितंबर 2022 को एसटी लाभार्थियों के लिए कोडंचेरी में और 01 अक्तूबर 2022 को एससी लाभार्थियों के लिए कट्टिप्पारा में आयोजित किया गया था।

कोडंचेरी में आदिवासी महिला लाभार्थियों को लेयर चूजों का वितरण

मसाला प्रसंस्करण और उद्यमिता विकास पर कार्यशाला

राज्य के सहकारी क्षेत्र के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के लाभ के लिए 30 नवंबर से 01 अक्तूबर 2022 के दौरान आईसीएआर-आईआईएसआर में मसाला प्रसंस्करण और उद्यमिता विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मसाला प्रसंस्करण में विभिन्न तकनीकी प्रगति और मसाला उद्यमिता में सहकारी संस्थानों के लिए अवसरों पर चर्चा की गई। कार्यशाला को एआईएफ (कृषि अवसंरचना कोष) योजना, सहकारी विभाग, केरल सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. राजीव पी., प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएसआर द्वारा किया गया और केरल के विभिन्न जिलों के लगभग 39 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. ई. जयश्री, डॉ. अनीस के., डॉ. लिजो तोमस और सुश्री अल्फिया द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण और उद्यमिता के अवसरों सहित विभिन्न मसालों की फसलोत्तर हैंडलिंग पर तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया।

'मसालों में मूल्य वर्धन और ईडीपी' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (एटीआरआई), बंगलूरू द्वारा 'मसाले में मूल्य संवर्धन और उद्यमिता विकास' पर प्रायोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आईसीएआर-आईआईएशआर, कोषिक्कोड में 13-15 दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कर्नाटक और केरल के कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा मुख्य रूप से विभिन्न उद्यमियों से लगभग 20 प्रतिभागियों को पहचाना गया। कार्यक्रम में सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्र शामिल थे, जिसके बाद आईसीएआर-आईआईएसआर, पेरुवण्णामुषि में प्रायोगिक प्रक्षेत्र का खेत दौरा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. सी. के. तंकमणी, डॉ. पी. राजीव, डॉ. ई. जयश्री, डॉ. के. अनीस, डॉ. लिजो तोमस, डॉ. पी. राधा कृष्णन, सुश्री अल्फिया पी. वी. और सुश्री ए. दीप्ति ने फसलोत्तर प्रसंस्करण, गुणवत्ता पहलुएं और उद्यमिता विकास पर विभिन्न सत्रों को संभाला।

"काली मिर्च बागानों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सतत अभ्यास" पर किसान संगोष्ठी

डॉ. के कंडियाण्णन, डा. वी. श्रीनिवासन, डॉ. सी. एन. बिजु और डॉ. लिजो तोमस ने भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड द्वारा 15 दिसंबर 2022 को परिश हॉल, सेंट तोमस चर्च, पालक्कुषि, पालक्काड जिला, केरल में सुपारी और मसाला विकास निदेशालय द्वारा प्रायोजित "काली मिर्च बागानों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सतत अभ्यास" पर आयोजित एक दिवसीय किसान संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। काली मिर्च की किस्में और नर्सरी प्रथाएं, फसल उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियां और फसलोत्तर तरीके और मूल्य वर्धन आदि विषयों पर व्याख्यान किए गए थे और किसानों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए और चर्चा की गई। संगोष्ठी में लगभग 100 किसानों ने भाग लिया। संगोष्ठी के अंत में सभी प्रतिभागियों को काली मिर्च की जड़ लगाए पौधे और काली मिर्च विशेष सूक्ष्म पोषक मिश्रण जैसे इनपुट वितरित किए गए और खेत का दौरा भी किया गया।

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड द्वारा 15 दिसंबर 2022 को "काली मिर्च बागानों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सतत अभ्यास" पर आयोजित किसान संगोष्ठी

विस्तार गतिविधियां

दिनांक	कार्यक्रम	स्थान	संसाधन व्यक्ति
23-12-2022	किसान दिवस के अवसर पर वैकल्पिक जर्मप्लासम साइट पर काली मिर्च खेत दिवस का आयोजन किया	आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला	डॉ. एम. एस. शिवकुमार
05-12-2022	कृषि महोत्सव- विश्व मृदा दिवस के अवसर पर आईआईएसआर प्रौद्योगिकियों और किस्मों के प्रदर्शन में भाग लिया।	वानिकी कॉलेज, पोन्नामपेट	डॉ. एम. एस. शिवकुमार
22-09-2022	टीएसपी कार्यक्रम के तहत आनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों को काली मिर्च कतरनें, सूक्ष्म पोषक तत्व और जैव कैप्स्यूल के वितरण और 'मसाला फसलों की वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक' (मलयालम) पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।	वयनाड सर्वीस सोसायटी (डब्ल्यु एस एस), बॉय्स टाउन, केरल (60 आदिवासी किसानों ने भाग लिया)	डॉ. मनीषा एस. आर. और डॉ. शारोन अरविंद
24-09-2022	टीएसपी कार्यक्रम के तहत 50 जनजातीय लाभार्थियों के लिए उन्नत काली मिर्च की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।	मीनंगाडी ग्राम पंचायत, वयनाड, केरल	डॉ. प्रवीणा आर. और श्री मुकेश शंकर एस.
15-11-2022	वाई आर शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट, कोडंचेरी, कोषिक्कोड द्वारा "जायफल की खेती पर आधुनिक रुझान" का प्रशिक्षण दिया।	वाई आर शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट, कोडंचेरी, कोषिक्कोड	डॉ. मुहम्मद निस्सार वी. ए.
15-11-2022	जाति कृषियिले नूतन साध्यतकल विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जायफल का मूल्यवर्धन पर व्याख्यान दिया।	वाई आर शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट, कोडंचेरी, कोषिक्कोड	सुश्री अल्फिया पी. वी.
5.09.2022	माइक्रो राइज़ोम आधारित सिंगल बड प्रोट्रे अदरक उत्पादन पर प्रदर्शन में अदरक के एक हज़ार सूक्ष्म प्रकंद आधारित अदरक के एकल कली प्रोट्रे वितरित किए गए।	कावुंतरा, नटुवण्णूर, कोषिक्कोड, केरल।	डॉ. शारोन अरविंद
23.08.2022	"उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए	आईसीएआर-आईआईसआर,	डॉ. बिजु सी. एन.

	अदरक की वैज्ञानिक खेती" पर नबार्ड द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण के दौरान "अदरक के लिए पौध संरक्षण रणनीति" पर व्याख्यान दिया।	कोषिक्कोड में 23.08.2022 को संगरेड्डी (जिला), तेलंगाना के लिए आयोजित कार्यक्रम	
29.08.2022	बागवानी विभाग और रोपण फसल, तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रायोजित "मसाला फसलों में उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियां" पर प्रशिक्षण में "तमिलनाडु की मसाला फसलों के लिए पौध संरक्षण रणनीति" पर व्याख्यान दिया।	आईसीएआर आईआईसआर, कोषिक्कोड में तमिलनाडु के किसानों के लिए आयोजित कार्यक्रम	डॉ. बिजु सी. एन.
14.09.2022.	ए सी और ए बी सी योजना के तहत स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए मसाला फसल की खेती और व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देने" पर आयोजित सहयोगी पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी) के दौरान काली मिर्च, अदरक और हल्दी में पौध स्वास्थ्य पबंधन पर व्याख्यान दिया।	मसालों में उत्पादन, प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी और व्यावसायीकरण की उन्नति पर आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में 13-15 सितंबर 2022 को ऑनलाइन मोड में आयोजित कार्यक्रम	डॉ. बिजु सी. एन.
15.12.2022.	" काली मिर्च बागानों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सतत अभ्यास" पर आयोजित जिला संगोष्ठी में "काली मिर्च के लिए एकीकृत पौध संरक्षण रणनीति" पर व्याख्यान दिया।	एमआईडीएच के तहत पालक्कुषि, वडक्कांचेरी, पालक्काड में सुपारी और मसाला विकास निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम	डॉ. बिजु सी. एन.
20.12.2022.	"मसाला फसलों के लिए एकीकृत रोग प्रबंधन रणनीतिया" पर व्याख्यान दिया।	आईसीएआर-आईआईसआर, कोषिक्कोड में कोटुवल्ली ब्लॉक, कोषिक्कोड द्वारा एटीएमए के तहत आयोजित ब्लॉक स्तर पर विस्तार कर्मियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण।	डॉ. बिजु सी. एन.
01-08-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर में किसानों	आईसीएआर-	डॉ. प्रवीणा आर.

	के लिए "मसाला-कीट और रोग प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।	आईआईएसआर, कोषिक्कोड	
01-11-2022	"काली मिर्च - नर्सरी, कीट और रोग प्रबंधन "पर व्याख्यान दिया।	एमएसएसआरएफ वयनाड के किसानों के लिए	डॉ. प्रवीणा आर.
04-11-2022	"मसालों में रोग प्रबंधन के लिए बायोइनोकुलन्ट" पर व्याख्यान दिया।	कोडंचेरी कृषि भवन के किसानों के लिए आयोजित कार्यक्रम	डॉ. प्रवीणा आर.
4-8-2022	"जायफल की फसलोत्तर हैंडलिंग और सुखाना" पर व्याख्यान दिया।	पोल्लाची के जायफल किसानों के लिए आईआईएसआर में प्रशिक्षण	डॉ. ई. जयश्री
29-8-2022	"हल्दी का प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन" पर व्याख्यान दिया।	कोयंबत्तूर के किसानों के लिए आईआईएसआर में एमआईडीएच द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण	डॉ. ई. जयश्री
21.12.2022	वेंगेरी एग्रि में अनुसंधान किसान विस्तार परिचर्चा	कृषि विभाग, केरल द्वारा प्रायोजित वेंगेरि फेस्ट-2022	डॉ. पी. राजीव
25.11.2022 - 29.11.2022	विशेषज्ञ सदस्य	कृषि विभाग, केरल सरकार द्वारा कृषि दर्शन प्रौद्योगिकी।	डॉ. पी. राजीव
23.12.2022	वेंगेरी फेस्ट 2022 में वैज्ञानिक कृषि अधिकारी-किसान मीट में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।	कृषि विभाग, केरल द्वारा प्रायोजित वेंगेरि फेस्ट-2022	डॉ. सी. के. तंकमणी
05.07.2022	फसल उत्पादकता के लिए मृदा उर्वरता प्रबंधन	आईसीएआर-आईआईएसआर, केवीके	डॉ. वी. श्रीनिवासन
15.12.2022	"काली मिर्च बागानों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सतत अभ्यास" पर एक दिवसीय किसान संगोष्ठी।	एमआईडीएच के तहत पालक्कुषि, वडक्कांचेरी	डॉ. वी. श्रीनिवासन

रेडियो भाषण

- डॉ. अक्षिता एच. जे.. अदरक की वैज्ञानिक खेती, आकाशवाणी, मडिकेरी, 11.07.2022 @ 6.50 बजे।
- डॉ. अक्षिता एच. जे.. हल्दी की वैज्ञानिक खेती, आकाशवाणी, मडिकेरी, 10.08.2022 @ 6.50 बजे।

हिंदी अनुभाग

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

जुलाई-दिसंबर 2022 की अवधि में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो बैठकें आयोजित की। पहली बैठक 23 सितंबर 2022 को डा. सी. के. तंकमणी, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में संपन्न हुई। दूसरी बैठक 26 दिसंबर 2022 को डॉ. आर. दिनेश, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निदेशक ने संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की और नये दिशा-निर्देश भी

हिंदी कार्यशाला

- राजभाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में दो हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गयी। पहली कार्यशाला दिनांक 27 सितंबर 2022 को आयोजित की। श्री. एम. अरविंदाक्षन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, कोषिक्कोड ने 'राजभाषा कार्यान्वयन के लिए उपयोगी आधुनिक तकनीकियां' पर व्याख्यान दिया।

- दूसरी कार्यशाला दिनांक 12 दिसंबर 2022 को आयोजित की। इसमें संस्थान के सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने 'ई-ऑफीस में हिंदी में टिप्पणी' के बारे में परिचित कराया।

हिंदी कार्यशाला का दृश्य

हिंदी अनुभाग

हिंदी पखवाडा 2022

- भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड में दिनांक 14.09.2022 से 29.09.2022 की अवधि में हिंदी पखवाडा मनाया गया। राजभाषा विभाग, नई दिल्ली के अनुदेश के अनुसार दिनांक 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडे का उद्घाटन समारोह पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम, सूरत, गुजरात में संपन्न हुआ। हमारे माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने समारोह का उद्घाटन किया। प्रस्तुत समारोह में संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए डा. एन. के. लीला, हिंदी अधिकारी ने भाग ली। हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय महानिदेशक डां हिंमांशु पाठक का अपील एवं माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का संदेश संस्थान की टीवी में प्रदर्शित की और साथ ही इसे संस्थान के स्टाफ सदस्यों की ई-मेल और वाट्सएप ग्रूप में अपलॉड किया गया। इसके अलावा हिंदी दिवस की बधाईयों का स्लाइड वाट्सएप में प्रदर्शित किया।
- हिंदी पखवाडा के अवसर पर अनुशीर्षक लेखन, चित्र कहानी लेखन, टिप्पणी एवं मसौदा लेखन, भाषण, वीडियो कमन्ट्री, गीत, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं हिंदी में आयोजित की थीं। प्रत्येक प्रतियोगिताओं के प्रथम और द्वितीय स्थान पर आनेवालों को पुरस्कार दिया गया।
- इन प्रतियोगिताओं के अलावा दिनांक 27.09.2022 को हिंदी कार्यशाला आयोजित की। इसमें श्री एम. अरविंदाक्षन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने राजभाषा कार्यान्वयन के लिए उपयोगी आधुनिक तकनीकियां पर व्याख्यान के साथ प्रदर्शन भी दिया था।
- हिंदी पखवाडा का समापन समारोह 29 सितंबर 2022 को डा. सी. के. तंकमणी, निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। डॉ. एन. के. लीला, प्रधान वैज्ञानिक एवं हिंदी अधिकारी ने सबका स्वागत किया। श्री. सुभाष कुमार, प्रबंधक, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, चेलवूर इस समारोह में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व एवं विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किया। हिंदी को लोकप्रिय करने के लिए प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को समाश्वास पुरस्कार के रूप में **हिंदी पढ़ें, लिखें और आगे बढ़ें** मुद्रित कप दिया गया। सुश्री एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिंदी पखवाडे की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

हिंदी अनुभाग

विभिन्न प्रतियोगिताओं का दृश्य

हिंदी पखवाड़ा 2022 के समापन समारोह की झलक

हिंदी अनुभाग

आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला

आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हिंदी सप्ताह मनाया गया। स्टाफ सदस्यों एवं संविदा कर्मियों के लिए हिंदी स्मरण परीक्षा, चित्र रचना एवं उसके लिए हिंदी में अनुशीर्षक लेखन, हिंदी कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। प्रत्येक प्रतियोगिताओं के पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वालों को पुरस्कार दिया गया। दिनांक 28 सितंबर 2022 को समापन समारोह आयोजित किया। इसमें अध्यक्षता प्रभारी कार्यालय प्रधान डॉ. अक्षिता एच. जे., वैज्ञानिक ने की। डॉ. मुहम्मद फैसल पीरान, वैज्ञानिक ने सभा को संबोधित किया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। प्रतिभागियों को समाश्वास पुरस्कार भी दिया गया।

आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में आयोजित हिंदी पखवाडे का दृश्य।

हिंदी प्रशिक्षण

डॉ. एन. के. लीला, प्रधान वैज्ञानिक एवं हिंदी अधिकारी तथा सुश्री. षजिना ओ., तकनीशियन ने हिंदी शिक्षण योजना द्वारा आयोजित पारंगत परीक्षा उत्तीर्ण की।

नराकास गतिविधियां

सुश्री एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने दिनांक 28 अक्तूबर 2022 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 70वीं अर्धवार्षिक बैठक में भाग ली।

हिंदी कार्यशाला /संगोष्ठी/सेमिनार में प्रतिभागिता

- सुश्री एन. रबीना, उच्च श्रेणी लिपिक और सुश्री एन. कार्तिका, वरिष्ठ तकनीशियन ने केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 18-22 जुलाई 2022 की अवधि में आयोजित पांच अर्ध दिवसीय ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला में भाग ली।
- डॉ. एन. के लीला, प्रधान वैज्ञानिक एवं हिंदी अधिकारी ने राजभाषा विभाग, नई दिल्ली द्वारा 14-15 सितंबर 2022 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम, सूरत, गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस समारोह-2022 एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।
- सुश्री एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राजभाषा अधिकारियों के लिए भाकृअनुप-केंद्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान,

हिंदी अनुभाग

बैरकपुर, कोलकात्ता में 24-25 अगस्त 2022 को "स्वतंत्रता के 75 वर्ष प्रशासनिक व्यवस्था और राजभाषा हिंदी का विकास" पर आयोजित दो दिवसीय भाषा उत्सव एवं हिंदी संगोष्ठी में भाग लिया।

- सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने दिनांक 15 नवंबर 2022 को भाकृअनुप-केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में 'कार्यालय संचालन में राजभाषा का उपयोग' पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में भाग ली।
- डॉ. एन. के. लीला, प्रधान वैज्ञानिक एवं हिंदी अधिकारी तथा सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने दिनांक 22 दिसंबर 2022 को भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा 'तकनीकी विषय में हिंदी में कार्य करना' पर आयोजित ऑनलाइन तकनीकी कार्यशाला में भाग ली।
- सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने दिनांक 23 दिसंबर 2022 को भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा 'कार्यालय प्रणाली में हिंदी के प्रयोग में स्मार्ट टूल्स' पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला में भाग ली।

प्रकाशन

- संस्थान के रिसर्च हाईलाईट्स 2020-21 का हिंदी रूपांतर तैयार करके वेब साइट में अपलॉड किया।
- संस्थान की राजभाषा पत्रिका मसालों की महक 2022.
- मसाला समाचार जनवरी-जून 2021
- मसाला समाचार जुलाई-दिसंबर 2021

राजभाषा पत्रिका का विमोचन

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान की राजभाषा पत्रिका **मसालों की महक 2022** का विमोचन दिनांक 26 दिसंबर 2022 को संपन्न हुई राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में संस्थान के निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डॉ. आर. दिनेश के द्वारा किया गया।

मसालों की महक 2023 का विमोचन

कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड

महत्वपूर्ण दिन

राष्ट्रीय मछली किसान दिवस

डॉ. के. एच. आलिकुंज्ञी और डॉ. हीरालाल चौधरी, जिन्होंने 10 जुलाई, 1957 को भारतीय प्रमुख कार्प में प्रेरित प्रजनन का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, को श्रद्धांजली अर्पित कर के राष्ट्रीय कृषक मछली दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम 11 जुलाई, 2022 को आयोजित किया जिसके साथ "एक्वेरियम सेटिंग ओर जलीय पौधों का संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

विश्व नारियल दिवस

केवीके में सीडीबी द्वारा प्रायोजित एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और पौध संरक्षण पहलुओं पर कक्षाएं शामिल थीं। कार्यक्रम का उद्घाटन एन. पी. बाबु, पंचायत अध्यक्ष, पेराम्ब्रा ने किया और लगभग सौ किसानों ने भाग लिया।

विश्व मत्स्य पालन दिवस

दिनांक 21 नवंबर 2022 को एकीकृत मत्स्य पालन पर प्रशिक्षण आयोजित करके विश्व मत्स्य दिवस मनाया गया जिसमें 21 किसानों ने भाग लिया।

बाल दिवस समारोह

बीआरसी तोडन्नूर के छात्रों और अभिभावकों की एक एक्स्पोज़र विसिट आयोजित किया, जिसमें 52 प्रतिभागियों को लाभ हुआ।

विश्व मृदा दिवस

नटुवण्णूर जीवीएचएसएस में पौध संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और इसके महत्व में हाल के रुझानों पर दो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व मृदा दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में मृदा परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर मरुतोंकरा में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया।

जन जागरूकता कार्यक्रम

पोषण अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रम का राष्ट्रीय अभियान

पोषण अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रम के राष्ट्रीय अभियान का उद्घाटन 17 सितंबर 2022 को केवीके में चक्किट्टप्पारा ग्राम पंचायत के अध्यक्ष श्री. के. सुनिल के द्वारा किया गया। महिला कृषकों को आईएफएफसीओ द्वारा तैयार किये बीज किट वितरित किए गए और केवीके परिसर में नीम के पौधे लगाए गए। इसी क्रम में, पोषण-उद्यान और पौधारोपण पर प्रशिक्षण संपन्न हुआ जिसमें पोषण-उद्यान स्थापना, संतुलित आहार और पोषण अभियान, सब्जी खेती के दौरान कीट और रोग प्रबन्धन, वृक्षारोपण के अवसर और गुंजाइश आदि पर केवीके विशेषज्ञों द्वारा कक्षाएं चलायी गयी।

प्रधान मंत्री किसान सम्मान सम्मेलन का लाइव प्रसारण

प्रधान मंत्री किसान सम्मान सम्मेलन के लाइव प्रसारण का उद्घाटन श्री. एन. पी. बाबु, अध्यक्ष, पेराम्ब्रा ब्लॉक पंचायत के द्वारा किया गया और डॉ. पी. राथा कृष्णन कार्यक्रम समन्वयक, केवीके ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. सी. के. तंकमणी, तत्कालीन निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर ने एक विशेष व्याख्यान दिया। डॉ. के. के. ऐश्वर्या, विषय विशेषज्ञ, केवीके और डॉ. पी. राजीव, प्रधान वैज्ञानिक ने व्याख्यान दिया। श्री. जैम्स एडच्चेरी और श्री. रघुनाथन, चक्किट्टप्पारा सर्वीज़ सहकारी बैंक के साथ केवीके स्टाफ सदस्य और कोषिक्कोड जिले के विभिन्न भागों से आये हुए 150 किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में श्री. जी. एस. राजीव, विशेषज्ञ, होर्टीकोर्प द्वारा मधुमक्खी पालन पर तथा डॉ. पी. एस. मनोज, विषय विशेषज्ञ द्वारा झाड़ी काली मिर्च उत्पादन पर प्रशिक्षण कक्षाएं चलाई गई।

कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड

प्रशिक्षण कार्यक्रम/क्षमता विकास कार्यक्रम

कृषि और कृषि संबंधित विषयों पर कुल मिलाकर 22 ऑन केंपस प्रशिक्षण और 9 ऑफ केंपस प्रशिक्षण आयोजित किए गए और जिससे क्रमश: 585 और 185 प्रतिभागियां लाभान्वित हुए।

संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण में भागीदारी

- डॉ. के. के. ऐश्वर्या और सुश्री ए. दीप्ति ने 11 और 12 अगस्त 2022 को सीपीसीआरआई, कासरगोड में कृषि में प्रौद्योगिकियों के शोधन के लिए सांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक तरीकों और प्रभाव मूल्यांकन पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. के. के. ऐश्वर्या ने प्रमुख फसलों में हाल ही में प्रमुख फसलें विशेषकर, गन्ना, मक्का और सरसों वर्तमान पौध संरक्षण विधियों पर अटारी, बेगलूरू द्वारा 13.08.2022 को आयोजित आभासी बैठक में भाग लिया।
- डॉ. के. एम. प्रकाश ने 3.12.2022 को ग्वालियर में जैविक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. के. एम. प्रकाश ने कुरुक्षेत्रा में 5-6 दिसंबर 2022 को केवीके तथा अटारी के विषय विशेषज्ञों के लिए आयोजित अभिमुखी कार्यक्रम सह प्रशिक्षण में भाग लिया।
- श्री. सूरज, एनआईसीआरए के तहत एसआरएफ ने सीआरआईडीए, हैदराबाद में 22-24 दिसंबर 2022 को आयोजित रेनफेड एग्रो इको सिस्टम की रीइमेजिंग -चुनौतियां और अवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

प्रदर्शनियां

- सीपीसीआरआई, किडु में 19.11.2022 से 23.11.2022 तक मेगा किसान मेला तथा एग्रि एक्स्पो के संबंध में आयोजित प्रदर्शनी।
- कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, वेंगेरी द्वारा 23.12.2022 से 31.12.2022 तक आयोजित एग्रिफेस्ट के संबंध में प्रदर्शनी।

पुरस्कार

- आईसीएआर स्थापना दिवस के दौरान दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार श्रीमती बिंदु जोसफ, रंडुप्लाक्कल (घर) को सम्मानित किया गया।
- आईआईएसआर, कोषिक्कोड का सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी पुरस्कार सुश्री दीप्ति ए., विषय विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) को प्रदान किया गया।
- सीडीबी कोचिन द्वारा प्रायोजित सर्वश्रेष्ठ नारियल किसान (बडा- दक्षिण पश्चिम अंचल) श्री. के. टी फ्रांसिस, कैतक्कुलत्त को सम्मानित किया गया।

खेत दिवस (पूरे हुए एफएलडी)

- नटुवण्णूर में चारा घास के प्रदर्शन के संबंध में खेत दिवस।
- नटुवण्णूर में 27.12.2022 को नारियल आधारित घरों में विस्तारित सिंचाई के साथ नेप्पियर सुस्थिरा हाइब्रिड के प्रदर्शन पर खेत दिवस।

रेडियो वार्ता:1 डॉ. बी. प्रदीप, एक्वापोनिक्स- आधुनिक कृषि तकनीक, आकाशवाणी के खेत और घर कार्यक्रम, 09.09.2022.

प्रकाशन

- मनोज पी. एस., प्रकाश के. एम. और राधा कृष्णन पी. (2022) फलवृक्षंगलिल निन्नु दीर्घकाल विलवु (मलयालम) फलों की फसलों से बारहमासी उपज के तरीके। एन्टे हरितमुट्टम 5 (डी: 70-71)
- प्रकाश के. एम., मनोज पी. एस., राधा कृष्णन पी., ऐश्वर्या के. के. और दीप्ति ए. (2022) जैव चीरकृषि तुडंगाम आरोग्यवुम आयुस्सुम उऱप्पाक्काम (मलयालम) "स्वास्थ्य और आय सुनिश्चित करने के लिए अमरांत की खेती शुरू करें। कृषि अंकणम 5(1):39-40.
- प्रदीप बी. तथा राधा कृष्णन जी. (2022) खराब क्षारीयता-जलीय कृषि में एक छिपा हुआ खतरा। एमपीईडीए न्यूसलेटर, खंड X, सं. 9: 30-31.

अन्य गतिविधियां

प्रतिनियुक्ति पर

- डॉ. मुहम्मद निस्सार वी. ए. तथा डॉ. शारोन अरविंद को निदेशक बागवानी, तेलंगाना के अनुरोध के आधार पर 22-24 अगस्त 2022 को तेलंगाना के खम्मम और भद्रादी कोठागुडेन जिलों में जायफल की खेती के लिए खेत निरीक्षण और व्यवहार्यता के आकलन के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।
- डॉ. मुहम्मद निस्सार वी. ए. और डॉ. शिवकुमार एम. एस. ने 19-23 सितंबर 2022 तक होटल पुलमैन, एयरो सिटी, नई दिल्ली में आयोजित ITPGRFA के GB के 9वें सत्र के संबंध में आयोजित "भारत में पादप आनुवंशिक संसाधन" पर प्रदर्शनी में भाग लिया।
- डॉ. डी. प्रसाथ, डॉ. मुहम्मद निस्सार वी. ए. और डॉ. लिजो तोमस ने एआईसीआरपीएस केंद्र, दापोली के सहयोग से 04.07.2022 से 09.07.2022 तक महाराष्ट्र के कोंकर्न क्षेत्र में जर्मप्लाज़म अन्वेषण किया। अन्वेषण के दौरान कोल्हापुर, सिंधुदुर्ग और महाबलेश्वर जिलों के विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण किया गया।
- डॉ. के. कण्डियाण्णन ने अगस्त 2022 के दौरान डॉ. वाईएसआरएचयु में नए भर्ती किए गए सहायक प्रोफसरों की शैक्षणिक प्रस्तुति के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया।
- डॉ. के. कण्डियाण्णन ने 9 दिसंबर 2022 को डीएएसडी, कालिकट द्वारा आयोजित मसाला नर्सरी मान्यता के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया।
- डॉ. सी. के. तंकमणी ने होटल इन मुंबई में 6-7 अक्तूबर 2022 को आयोजित "राष्ट्रीय मसाला कांग्रस" में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- डॉ. ई. जयश्री और डॉ. के. अनीस को 26 सितंबर से 30 सितंबर 2022 तक कोडेक्स कमेटी ऑन स्पाइस एंड क्यूलिनरी हर्ब्स (सीसीएससीएच6) के 6 वें सत्र में भाग लेने के लिए भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. के. अनीस ने 20 जुलाई 2022 को मसाला गुणवत्ता और सुरक्षा समिति (एनसीएसक्युएस) (वर्चुअल) के पहले सत्र के दौरान मिर्च और अदरक के लिए ईयु द्वारा निर्धारित कम एमआरएलएस के मुद्दे को संबोधित करने के लिए रोड मैप को अंतिम रूप देने के लिए एक पैनल सदस्य के रूप में कार्य किया।
- डॉ. ई. जयश्री ने राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) - तंजावूर द्वारा 4.8.2022 को वीडियो कॉनफ्रेन्सिंग के माध्यम से आयोजित पीएमएफएमई के तहत कॉमन इनक्युबेशन सेंटर की स्थापना के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए 14 वीं समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 1.8.2022 को केलाडि शिवप्पा नायका कृषि विश्व विद्यालय, शिवमोग्गा, कर्नाटक में पीएमएफएमई के तहत उद्भवन सुविधा के कामकाज के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में भाग लिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 2.9.2022 को राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम)-तंजावूर द्वारा वीडियो कॉनफ्रेन्सिंग के माध्यम से आयोजित पीएमएफएमई के तहत कॉमन इनक्युबेशन सेंटर की स्थापना के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए 15 वीं समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
- डॉ. राजीव पी. ने कृषि विभाग, केरल में 11.12.2022 को ब्लॉक स्तरीय कृषि ज्ञान केंद्रों (BLAKC) की समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- डॉ. राजीव पी. ने 29 सितंबर 2022 को बागवानी अनुसंधान स्टेशन, नागिचिरा, त्रिपुरा में त्रिपुरा राज्य में मसालों की प्रौद्योगिकियों और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना की तैयारी के लिए बैठक में भाग लिया।
- डॉ. बिजु सी. एन. और डॉ. आर. गोबु ने नर्सरी में काली मिर्च की स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाने और तकनीकी सलाह देने के लिए 05.07.2022 को जिला कृषि फार्म, कुत्ताली, कोषिक्कोड का दौरा किया।

अन्य गतिविधियां

- डॉ. सी. के. तंकमणी ने एनएएस क्षेत्रीय चाप्टर-बारापानी, मेघालय, जैविक कृषि का अंतर्राष्ट्रीय संघ, शिल्लोंग और कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (इम्फाल), किर्देमकलई, मेघालय द्वारा 5-7 दिसंबर 2022 को "बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत प्राकृतिक खेती प्रणाली और जैव विविधता संरक्षण" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन अनुकूल और शमन रणनीतियों के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. सी. के. तंकमणी ने 17-18 नवंबर 2022 को आईसीएआर-सीपीसीआरआई, कासरकोड में प्रौद्योगिकी नवाचारों के माध्यम से बागवानी की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्पादन प्रबंधन तकनीकों में सुधार लाभप्रदत्ता और आजीविका सुरक्षा पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. ए. आई. भट्ट ने 14.7.2022 को क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशन (उत्तर अंचल) , पीलिकोड में आयोजित केरल कृषि विश्व विद्यालय के XXXIX वीं आंचलिक अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार परिषद (उत्तर अंचल) की बैठक में पौध संरक्षण सत्र पर अध्यक्षता की।
- डॉ. ए. आई. भट्ट ने 27-28 जुलाई 2022 को आयोजित IX शोध सलाहकार समिति की तीसरी बैठक में भाग लिया।

प्रशिक्षण

प्रतिभागी	प्रशिक्षण का विषय	अवधि	आयोजक
वैज्ञानिक श्रेणी			
डॉ. एम. एस. शिवकुमार	बहु पर्यावरण परीक्षणों के विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यशाला (ऑनलाइन)	03-08 नवंबर 2022	आईसीएआर-एनएएआरएम, हैदराबाद
डॉ. एन. के.लीला तथा डॉ. अनीस के.	कीटनाशक अवशेषों के विश्लेषण में प्रगति पर प्रशिक्षण (जीसी-एमएस/एमएस और एलएससी-एमएस/एमएस	31-10-2022 से 4-11-2022 तक	गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला, स्पाइसस बोर्ड, कोच्चि।
डॉ. आर. गोबु	लाइफ सायन्स मीट कार्यक्रम पर ऑन लाइन कार्यशाला।	13 -15 सितम्बर 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
सुश्री पी. वी. अलफिया	भूतल कार्यप्रणाली प्रतिक्रिया पर कार्यशाला (ऑनलाइन)	18 - 20 अगस्त 2022	आईसीएआर-एनएएआरएम, हैदराबाद
डॉ. ई. जयश्री तथा सुश्री पी. वी. अलफिया	'खाद्य प्रसंस्करण में उद्यमिता विकास' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20-22 जुलाई 2022.	राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान एनआईएफटीईएम), तंजावूर
डॉ. एम. अलगुपलमुतिरसोलै	सिंचाई प्रणाली और उन्नति	19 - 21 जुलाई 2022	एनआईपीएचएम, हैदराबाद
डॉ. सी. के. तंकमणी, डॉ. आर. दिनेश, डॉ. ए. ईश्वर भट्ट, डॉ. के. कंडियाण्णन, डॉ. एन. के. लीला, डॉ. के. कृष्णमूर्ति, डॉ. पी. राजीव. डॉ. टी. ई. षीजा, डॉ. ई. जयश्री, डॉ. डी. प्रसाथ, डॉ. सी. एम. सेंतिल कुमार, डॉ. वी. श्रीनिवासन, डॉ. सी. सारधामबाल, डॉ. सी. एन. बिजु, डॉ.	आईसीएआर सेवा नियमों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	12 अगस्त 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड

पी. एस. दिव्या, डॉ. के. अनीस, डॉ. आर. प्रवीणा, डॉ. ए. जीवलता, डॉ. सी. सेल्लपेरुमाल, डॉ. षारोन अरविंद, श्री. वी. ए. मुहम्मद निस्सार, सुश्री. आर. शिवरंजनी, श्री. मुकेश शंकर, सुश्री. सोना चार्ल्स, सुश्री. पी. वी. अलफिया, डॉ. अलगुपलमुतिरसोलै, डॉ. होन्नप्प असांगी, डॉ. एम. एस. शिवकुमार, डॉ. एस. आरती, डॉ. आर. गोबु तथा डॉ. एच. जे. अक्षिता			
डॉ. सी. के. तंकमणी डॉ. आर. दिनेश, डॉ. ए. ईश्वर भट्ट, डॉ. के. कंडियाण्णन, डॉ. एन. के. लीला, डॉ. के. कृष्णमूर्ति, डॉ. पी. राजीव. डॉ. एस. जे. आंके गौडा, डॉ. टी. ई. षीजा, डॉ. ई. जयश्री, डॉ. डी. प्रसाथ, डॉ. सी. एम. सेंतिल कुमार, डॉ. वी. श्रीनिवासन, डॉ. सी. सारधामबाल, डॉ. सी. एन. बिजु, डॉ. पी. एस. दिव्या, डॉ. लिजो तोमस, डॉ. के. अनीस, डॉ. आर. प्रवीणा, डॉ. ए. जीवलता, डॉ. सी. सेल्लपेरुमाल, डॉ. षारोन अरविंद, श्री. वी. ए. मुहम्मद निस्सार, डॉ. बालाजी राजकुमार, डॉ. मुहम्मद फैसल पीरान, सुश्री. आर. शिवरंजनी, सुश्री. सोना चार्ल्स, सुश्री. पी. वी. अलफिया, डॉ. एम. अलगुपलमुतिरसोलै, डॉ. होन्नप्प असांगी, डॉ. एम. एस. शिवकुमार, डॉ. एस. आर. मनीषा, डॉ. एस. आरती, डॉ. आर. गोबु तथा डॉ. एच. जे. अक्षिता	संविदा श्रमिक न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम	20 अक्तूबर 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
तकनीकी श्रेणी			
सुश्री. ओ. षजिना श्री. बी. विष्णु, श्री. सी. एम. निखिल, श्री. पी. बी. रंजित	तकनीशियन तथा कुशल सहायक कर्मचारि के लिए प्रकार्यात्मक कौशल प्रशिक्षण	10 - 12 अगस्त 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
श्री. जोन जॉर्ज, श्री. आर. भरतन,	आईसीएआर सेवा नियमों पर	12- अगस्त 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर,

अन्य गतिविधियां

श्री. के. जयराजन, सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी, श्री. ई. एस. सुजीष, श्री. ए. सुधाकरन, श्री. के. कृष्णदास, सुश्री. चंद्रवल्ली पी. के., डॉ. प्रिया जॉर्ज, श्री. आई. पी. विजेष कुमार, सुश्री. एन. कार्तिका, श्री ओ. जी. शिवदास, श्री. वी. एस. बिनोय, सुश्री. रजिना पी. गोविंद, श्री. बी. टी. हरीष, श्री. ए. आर. रश्मिष, श्री. बी. विष्णु, सुश्री. ओ. षजिना, श्री. सी. एम. निखिल, सुश्री. पी. एन. कौसल्या तथा श्री. पी. बी. रंजित	प्रशिक्षण कार्यक्रम		कोषिक्कोड
श्री. आई. पी. विजेष कुमार	लाइफ सायंस मीट प्रोग्रामिंग पर ऑन लाइन कार्यशाला	13 - 15 सितंबर 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
श्री. एच. सी. रतिष	आईसीएआर संस्थानों के तकनीकी अधिकारियों (टी 5 और उसके ऊपर के पद) के लिए मोटिवेशन, पोसिटीव तिंकिंग एंड कम्यूणिकेशन स्किल पर क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।	13 - 16 सितंबर 2022	आईसीएआर-एनएएआरएम, हैदराबाद
श्री. जोन जॉर्ज, श्री. आर. भरतन, श्री. के. जयराजन, सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी, श्री. ई. एस. सुजीष, श्री. ए. सुधाकरन, श्री. के. कृष्णदास, सुश्री. चंद्रवल्ली पी. के., डॉ. प्रिया जॉर्ज, श्री. आई. पी. विजेष कुमार, सुश्री. एन. कार्तिका, श्री ओ. जी. शिवदास, श्री. वी. एस. बिनोय, सुश्री. रजिना पी. गोविंद, श्री. बी. टी. हरीष, श्री. ए. आर. रश्मिष, श्री. बी. विष्णु, सुश्री. ओ. षजिना, श्री. सी. एम. निखिल, सुश्री. पी. एन. कौसल्या तथा श्री. पी. बी. रंजित	संविदा श्रमिक न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम	20 अक्तूबर 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
सुश्री. एन. कार्तिका,	कीटनाशक अवशेषों के विश्लेषण में प्रगति पर प्रशिक्षण (जीसी-एमएस/एमएस और एलएससी-एमएस/एमएस	31-10-2022 से 4-11-2022 तक	गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला, स्पाइसस बोर्ड, कोच्चि।
श्री. बी. विष्णु,	खेत और बागवानी फसलों के लिए कृषि औजारों का चयन,	29 दिसंबर 2022 से 7 जनवरी 2023 तक	आईसीएआर-सीआईएई, भोपाल

	समायोजन, चाल-चलन, और अनुरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।		
प्रशासनिक श्रेणी			
श्री. टी. ई. जनार्द्दनन, सुश्री. सी. के. बीना, श्री. पी. सुंदरन, श्री. वी. सी.सुनिल, श्री. वी. वी. सय्यद मोहम्मद, सुश्री एम. सीमा, सुश्री एन. रबीना, श्री. पी. के. राहुल, श्री. पी. टी. जयप्रकाश तथा श्री. के. फैसल	आईसीएआर सेवा नियमों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	12 अगस्त 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
श्री. टी. ई. जनार्द्दनन, सुश्री. सी. के. बीना, श्री. पी. सुंदरन, श्री. वी. सी.सुनिल, श्री. वी. वी. सय्यद मोहम्मद,सुश्री एम. सीमा, सुश्री एन. रबीना, श्री. पी. के. राहुल, श्री. पी. टी. जयप्रकाश तथा श्री. के. फैसल	संविदा श्रमिक न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम	20 अक्तूबर 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
कुशल सहायक कर्मचारी श्रेणी			
श्री. के. पी. अभि बालगोपाल, श्री. के. पी. सचिन, श्री. वी. विजेष	तकनीशियन तथा कुशल सहायक कर्मचारि के लिए प्रकार्यात्मक कौशल प्रशिक्षण	10 -12 अगस्त 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
श्री. के. पी अभि बालगोपाल, श्री. के. पी. सचिन, श्री. वी. विजेष	संविदा श्रमिक न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम	20 अक्तूबर 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड

आयोजित कार्यक्रम

जुड़े हुए अधिकारी	आयोजित कार्यक्रम
डॉ. एम. एस. शिवकुमार तथा डॉ. एच. जे. अक्षिता	आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में 20.08.2022 को छोटी इलायची खेत दिवस आयोजित करने में समन्वयक के रूप में सेवा की।
डॉ. एम. एस. शिवकुमार	दिनांक 23.12.2022 को किसान दिवस के अवसर पर वैकल्पिक जर्मप्लाज़म साइट में काली मिर्च खेत दिवस आयोजित किया।
डॉ. शारोन अरविंद	29-31 अगस्त 2022 को आईसीएआर-आईआईएसआर में मसाला फसलों में उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण (बागवानी और रोपण फसल विभाग, तमिलनाडु सरकार) के लिए समन्वयक के रूप में सेवा की।
डॉ. सोना चार्ल्स (कार्यशाला संयोजक) श्री मुकेश शंकर एस. (पाठ्यक्रम सहयोगी) श्री. के. जयराजन (पाठ्यक्रम सहयोगी)	13-15 सितंबर 2022 को आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में जैव सूचना केंद्र द्वारा लाइफ सायंस मीट प्रोग्रामिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की (200 से अधिक आवेदनों में से 15 प्रतिभागी)।
डॉ. टी. ई. षीजा (पाठ्यक्रम	एसी और एबीसी योजना के तहत स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए मसाला फसल की खेती और

अन्य गतिविधियां

निर्देशक) डॉ. एम. अलगुपलमुतिरसोलै (समन्वयक)	व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देने पर एक सहयोगी पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी)
डॉ. ई. जयश्री	कोयंबटूर के किसानों के लिए 31-8-2022 (22 व्यक्तियों) को एमआईडीएच द्वारा प्रायोजित 'हल्दी के मूल्य संवर्धन पर' व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया।
डॉ. सी. के. तंकमणी, डॉ. ई. जयश्री, डॉ. राजीव पी. और सुश्री अल्फिया पी.वी.	30 नवंबर से 01 दिसंबर 2022 तक सहकारी रजिस्ट्रार, केरल सरकार द्वारा प्रायोजित 'मसाला प्रसंस्करण और उद्यमिता विकास' पर दो दिवसीय समन्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रशिक्षण कार्यक्रम में 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया)।
डॉ. ई. जयश्री, डॉ. राजीव पी., डॉ. अनीस के. और सुश्री अल्फिया पी. वी.	13-15 दिसंबर 2022 के दौरान आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (एटीएआरआई), बेंगलुरु द्वारा प्रायोजित आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में 'मसालों में मूल्य संवर्धन और उद्यमिता विकास' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया गया (प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया)।
डॉ. सी. के. तंकमणी	4 अगस्त 2022 को आईआईएफएसआर, मोदीपुरम के सहयोग से जैविक खेती पर राष्ट्रीय जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

सिम्पोसिया/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों/बैठकों में भागीदारी

प्रतिभागी	सिम्पोसिया/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/बैठक	अवधि	आयोजक
संगोष्ठी में प्रतिभागिता			
डॉ. डी. प्रसाथ	कोचीन अदरक और एलेप्पी फिंगर हल्दी का पुनर्जीवन	18 अक्तूबर 2022	डीएएसडी, केषिक्कोड, केरल
डॉ. के. कंडियाण्णन डॉ. डी. प्रसाथ, डॉ. मनीषा एस. आर., डॉ. एम. एस. शिवकुमार और डॉ. एच. जे. अक्षिता	आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों के पोषण और आजीविका सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	02-03 दिसंबर 2022	आईसीएआर-आईआईएचआर, चेत्ताली, मडिकेरी, कर्नाटक
डॉ. शेरोन अरविंद	"बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत प्राकृतिक खेती और जैव विविधता संरक्षण" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	05-07 दिसंबर 2022	कृषि महाविद्यालय, किर्डेमकुलई, मेघालय।
डॉ. गोबू. आर.	सतत और भरपूर फसल के लिए मेंडल गार्डन की देखभाल (संगोष्ठी)	19-21 जुलाई 2022	आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली
श्री मुकेश शंकर. एस.	सतत और भरपूर फसल के लिए मेंडल गार्डन की देखभाल (संगोष्ठी) - ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म	19-21 जुलाई 2022	आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली
डॉ. ई. जयश्री	वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि इंजीनियरिंग नवाचार पर भारतीय कृषि इंजीनियरों की सोसायटी का 56वां वार्षिक सम्मेलन और "भारत @2047: कृषि इंजीनियरिंग परिप्रेक्ष्य' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	9-11 नवंबर 2022	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर

अन्य गतिविधियां

डॉ. सी. सेल्लापेरुमाल	सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में कृषि और खाद्य प्रणाली में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	22-24 अगस्त 2022	यूएएस, बैंगलोर, कर्नाटक
डॉ. ई. जयश्री	'आदिवासी बागवानी' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया	17-18 अक्तूबर 2022	डॉ. वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश
डॉ वी. श्रीनिवासन	प्रौद्योगिकी नवाचारों के माध्यम से बागवानी की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन	17-18 नवंबर 2022	सीपीसीआरआई
डॉ वी. श्रीनिवासन	"मसालों में मूल्य सृजन - वैश्विक बाजार" पर मसाला सम्मेलन, मसाला बोर्ड और सीआईआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।	27-सितंबर 2022	होटल ली मेरिडियन, कोच्चि
डॉ वी. श्रीनिवासन	एमआईडीएच के तहत "काली मिर्च के बागानों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सतत अभ्यास" पर एक दिवसीय किसान संगोष्ठी।	15 दिसंबर 2022	पालक्कुषी, वडक्कानचेरी
कार्यशाला			
डॉ. डी. प्रसाथ	ज्ञान प्रबंधन पर आईसीएआर-एपीएएआरआई कार्यशाला	23 जुलाई 2022	आईसीएआर-कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, नई दिल्ली
डॉ. सी. के. तंकमणी	मसालों में उन्नत उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियाँ	26-29 सितंबर 2022	बागवानी स्टेशन नागीचेरा, अगरतला द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला।
डॉ. सी. के. तंकमणी	जैविक खेती पर आईसीएआर नेटवर्क कार्यक्रम की वार्षिक समूह बैठक	28-30 दिसंबर 2022	आरकेएमवीईआरआई, नरेंद्रपुर कैंपस
डॉ. सी. के. तंकामणी, डॉ. वी. श्रीनिवासन, डॉ. ए. आई. भट्ट, डॉ. डी. प्रसाथ, डॉ. शारोन अरविंद, डॉ. एम. एस. शिवकुमार और डॉ. एच. जे. अक्षिता	मसालों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की XXXIIIवीं कार्यशाला	13-15 अक्तूबर 2022	एएनडीयुएटी, कुमारगंज, अयोध्या, उत्तर प्रदेश
बैठक में प्रतिभागिता			
डॉ. प्रवीणा आर.	वेंगेरी में कृषि अधिकारियों के साथ इंटरफ़ेस बैठक में भाग लिया।	22 दिसंबर 2022	कोषिक्कोड, केरल
डॉ. वी. श्रीनिवासन	एमआईडीएच कार्यक्रम की 16वीं वार्षिक समीक्षा बैठक	13-14 जुलाई 2022	डीएएसडी और बागवानी कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, पेरियाकुलम, तमिलनाडु

अन्य गतिविधियां

प्रदर्शनियॉ

डॉ. टी. ई. षीजा और डॉ. गोबू आर.	केन फेस्ट 2022	23-24 सितंबर 2022	आईसीएआर-गन्ना प्रजनन संस्थान एवं गन्ना अनुसंधान सोसायटी विकास
डॉ. टी. ई. षीजा	कृषि स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव और किसान सम्मेलन 17 अक्टूबर, 2022 को आईएआरआई मेला ग्राउंड, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।	17 अक्तूबर 2022	आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर नवाचार और कृषि उद्यमिता सेल, डीए और एफडब्ल्यू, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय
डॉ. टी. ई. षीजा	कृषि दर्शन कार्यक्रम	25-29 अक्तूबर 2022	कृषि विभाग, केरल
डॉ. टी. ई. षीजा	बागवानी मूल्य श्रृंखला	1-2-नवंबर 2022	कृषि और किसान कल्याण विभाग
डॉ. टी. ई. षीजा	किसान मेला, किसान सम्मेलन सह कृषि-एक्सपो	19-23 नवंबर 2022	भाकृअनुप- केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरकोड
डॉ. टी. ई. षीजा	वेंगेरी फेस्ट 2022	22-31 नवंबर 2022	कृषि विभाग, केरल

व्याख्यान

विशेषज्ञ	व्याख्यान का विषय	दिनांक	आयोजक
डॉ. सी. के. तंकमणी	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड की उपलब्धियां	11-11-2022	आईसीएआर-आईआईएचआर, हेस्सारघट्टा द्वारा वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया और टीएनएयू, कोयंबटूर के सहयोग से बैंगलोर में आयोजित एक बैठक में प्रस्तुत किया गया।
डॉ. सी. के. तंकमणी	टिकाऊ मसाला उत्पादन के लिए जलवायु लचीली रणनीतियाँ'	5-12-2022 - 7-12-2022	किर्डेमकुलई, मेघालय में "बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत प्राकृतिक खेती प्रणाली और जैव विविधता संरक्षण" पर राष्ट्रीय सम्मेलन- एनएएएस क्षेत्रीय खंड-बारापानी, मेघालय
डॉ. सी. के. तंकमणी	जैविक मसालों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकियाँ - लाभप्रदता और आजीविका सुरक्षा में सुधार	17-11-2022 -18-11-2022	प्रौद्योगिकी नवाचारों के माध्यम से बागवानी की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएआर-सीपीसीआरआई, कासरगोड, केरल।
डॉ. सी. के. तंकमणी	जीएपी GAP पर जोर देते हुए अदरक और हल्दी उत्पादन प्रबंधन'	26-9-2022 - 29-9-2022	बागवानी स्टेशन नागीचेरा, अगरतला
डॉ. सी. के. तंकमणी	जगह के बेहतर उपयोग और आय सृजन के लिए मसालों के	2-12-2022 - 3-12-2022	पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

अन्य गतिविधियां

	साथ फसल प्रणाली।		(एनएसएचसीटी), चेताल्ली
डॉ. सी. के. तंकमणी	जगह के बेहतर उपयोग और आय सृजन के लिए मसालों के साथ फसल प्रणाली।	02-12-2022	आईसीएआर-आईआईएचआर केंद्रीय बागवानी प्रयोग स्टेशन, चेट्टाली, कर्नाटक द्वारा पोषण और आजीविका सुरक्षा (एनएसएचसीटी) -2022 के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आमंत्रित व्याख्यान
डॉ. के. कंडियाण्णन	अदरक में कृषि पद्धतियाँ एवं उर्वरक प्रबंधन	23-08-2022 -25-08-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए अदरक की वैज्ञानिक खेती पर प्रशिक्षण
डॉ. के. कंडियाण्णन	प्रमुख मसालों की महत्वपूर्ण कृषि पद्धतियाँ।	29-08-2022 -31-08-2022	मसाला फसलों में उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड
डॉ. के. कंडियाण्णन	काली मिर्च की प्रजातीय प्रगति और कृषि पद्धतियां"	15-12-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर द्वारा पैरिश हॉल, सेंट तोमस चर्च, पालक्कुषी, पालक्काड़ जिला, केरल में "काली मिर्च के बागानों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए सतत अभ्यास" पर एक दिवसीय किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।
डॉ. डी प्रसाथ	अदरक की प्रजातीय प्रगति और रोपण सामग्री की प्रौद्योगिकी	23-08-2022	उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए अदरक की वैज्ञानिक खेती पर प्रशिक्षण (संगारेड्डी जिले, तेलंगाना के किसानों के लिए), आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड, केरल
डॉ. वी. श्रीनिवासन	काली मिर्च - उत्पादन प्रबंधन	13-07-2022 -14-07-2022	स्पाइस एक्सपो, बागवानी कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, पेरियाकुलम, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय
डॉ. वी. श्रीनिवासन	जायफल के लिए मिट्टी, पोषक तत्व प्रबंधन और कृषि पद्धतियां	03-08-2022 -04-08-2022	जायफल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईसीएआर-आईआईएसआर
डॉ. वी. श्रीनिवासन	एमआईडीएच कार्यक्रम की 16वीं वार्षिक समीक्षा बैठक	13-07-2022 -14-07-2022	डीएएसडी तथा बागवानी कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, पेरियाकुलम, तमिलनाडु
डॉ. ए. आई भट्ट	पादप विषाणु और उनकी पहचान	16-09-2022	यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, कण्णूर विश्वविद्यालय, केरल द्वारा 14.09.2022 से 27.09.2022 तक आयोजित जैविक विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
डॉ. टी. ई. षीजा	आभासी संकाय विकास कार्यक्रम-प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण और उद्यमिता का पोषण	12-10-2022	स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सहयोग से अकादमिक स्टाफ कॉलेज (एएससी)।
डॉ. ई. जयश्री	'मसाला प्रसंस्करण क्षेत्र में अवसर'	17-8- 2022	मसालों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) - तंजावुर द्वारा संपर्क कार्यालय, गुवाहाटी, असम के साथ आयोजित किया गया।

अन्य गतिविधियां

डॉ. ई. जयश्री	काली मिर्च का प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन	13-9-2022.	मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए मसाला फसल की खेती और व्यवसाय के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय सहयोगात्मक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी)
डॉ. ई. जयश्री	मसालों का फसलोत्तर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन का अवसर	14-9- 2022	आईसीएआर-आईआईएसआर में मसालों के उत्पादन, मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण में उन्नत तकनीक पर एफपीओ इंटरफ़ेस कार्यक्रम।
डॉ. ई. जयश्री	मसालों के लिए अदरक प्रसंस्करण और सुखाने की मशीनरी	11-10-2022	केरल कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
डॉ. ई. जयश्री	मसालों का प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन	2-11-2022.	आईसीएआर-सीआईएफटी, कोच्चि के इंजीनियरिंग प्रभाग में "खाद्य प्रक्रिया इंजीनियरिंग और संरक्षण में प्रगति" पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
डॉ. ई. जयश्री	जायफल के प्रसंस्करण में प्रगति	15-11-2022	भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड द्वारा कोडेनचेरी, कोषिक्कोड में 'जायफल की खेती में नए अवसर' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
डॉ. ई. जयश्री	मसालों का प्रसंस्करण	30-11-2022	सहकारिता विभाग कोषिक्कोड के सहयोग से भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान द्वारा 'मसाला प्रसंस्करण और उद्यमिता विकास' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया
डॉ. ई. जयश्री	काली मिर्च और अदरक का प्रसंस्करण	13-12-2022	आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (एटीएआरआई), बेंगलुरु द्वारा प्रायोजित 'मसालों में मूल्य संवर्धन और उद्यमिता विकास' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में आयोजित किया गया।
डॉ. ई. जयश्री	मसाला फसलों का फसलोत्तर प्रबंधन और प्रसंस्करण में प्रगति।	20-12-2022	कृषि अधिकारियों के लिए आईसीएआर-आईआईएसआर में कृषि पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में केरल के कृषि विभाग के अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यक्रम
डॉ. राजीव पी	प्रमुख मसालों का फसलोत्तर प्रौद्योगिकी एवं मूल्य संवर्धन-	28-09-2022	अगरतला में एनईएच राज्य मिशन कार्यक्रम के तहत मसालों के उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
डॉ. राजीव पी	मसालों की स्थिति और संभावनाओं में मूल्यवर्धन	30-11-2022	केरल सरकार के सहकारिता विभाग द्वारा प्रायोजित मसाला प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर ईडीपी
डॉ. अनीस के.	पर्यावरण, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षा: उभरते खतरे और शमन के अवसर।	07-07-2022	खतरा शमन 2022 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान सेंट जोसेफ कॉलेज देवगिरी, कोषिक्कोड में।

अन्य गतिविधियां

डॉ. अनीस के.	जायफल का प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन	03-08-2022	आईआईएसआर में अनामलाई जायफल उत्पादक संघ को जायफल उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने पर व्याख्यान दिया गया
डॉ. अनीस के.	अदरक में मूल्य संवर्धन पर एक व्यावहारिक कक्षा का आयोजन किया गया	23-08-2022 -25-08-2022	उच्च उपज एवं गुणवत्ता के लिए अदरक की वैज्ञानिक खेती पर प्रशिक्षण।
डॉ. अनीस के.	उच्च उपज एवं गुणवत्ता के लिए अदरक की वैज्ञानिक खेती पर प्रशिक्षण के दौरान	14-9-2022	एसी और एबीसी योजना के तहत स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए मसाला फसल की खेती और व्यवसाय के अवसरों को बढ़ावा देने पर सहयोगात्मक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी)।
डॉ. अनीस के.	प्रमुख मसालों का फसलोत्तर प्रौद्योगिकी एवं मूल्य संवर्धन-	27-09-2022 -29-09-2022	अगरतला, त्रिपुरा में मसालों के उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. अनीस के.	सुरक्षित मसालों के लिए मुख्य मुद्दे और प्रबंधन रणनीतियाँ: एक अनुसंधान एवं विकास परिप्रेक्ष्य	6-10-2022 - 7-10-2022	विश्व मसाला संगठन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मसाला सम्मेलन।
डॉ. अनीस के.	हल्दी में मूल्यवर्धन और इसके निर्यात की संभावनाएँ	10-11-2022	बालुश्शेरी ब्लॉक के कृषि विभाग के अधिकारियों के लिए।
डॉ. अनीस के	मसालों की गुणवत्ता का मूल्यांकन	30-11-2022 -01-12-2022	'मसाला प्रसंस्करण और उद्यमिता विकास' पर कार्यशाला
डॉ. अनीस के	मसालों की गुणवत्ता का मूल्यांकन	13-12-2022 -15-12-2022	'मसालों में मूल्यवर्धन और उद्यमिता विकास' पर प्रशिक्षण
डॉ. अनीस के	मूल्यवर्धित उत्पादों और मसालों का उपयोग करके विभिन्न व्यावसायिक योजनाओं में उद्यमिता जागरूकता और विकास कार्यक्रम	15-12-2022	लीड कार्यक्रम के एक भाग के रूप में मलाबार चैंबर ऑफ कॉमर्स, कोषिक्कोड।
डॉ. एच. जे. अक्षिता	छोटी इलायची उत्पादन तकनीक में प्रगति	20-08-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पांगला में छोटी इलायची खेत दिवस
डॉ. एच. जे. अक्षिता	जायफल की प्रजातीय संपत्ती एवं प्रसार	16-11-2022	कर्नाटक में जायफल की खेती की संभावनाएं आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पांगला द्वारा संचालित
सुश्री शिवरंजिनी आर.	फाइटोफार्माकोलॉजी में जीसी-एमएस का अनुप्रयोग	05-12-2022	पशु चिकित्सा औषध विज्ञान और विष विज्ञान विभाग, पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, मन्नुथी द्वारा "फाइटोकेमिकल्स की पहचान और लक्षण वर्णन और उनकी कार्रवाई के संभावित लक्ष्य" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
डॉ. शेरोन	सूक्ष्म प्रकंद आधारित अदरक	05-08-2022	डीएएसडी द्वारा कवुंतरा, नाटुवण्णूर में सूक्ष्म प्रकंद आधारित

अन्य गतिविधियां

अरविंद	उत्पादन पर व्याख्यान		अदरक उत्पादन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया
डॉ. शेरोन अरविंद	"मसालों की वैज्ञानिक खेती" पर व्याख्यान	22-09-2022	टीएसपी कार्यक्रम के तहत बॉयज़ टाउन, वायनाड में 60 आदिवासी किसानों के लिए मसालों की वैज्ञानिक खेती पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान।
डॉ. शेरोन अरविंद	काली मिर्च और जायफल जैसे मसालों की मानसून देखभाल पर व्याख्यान.	17-08-2022	कट्टीपारा में एमजीएमजी कार्यक्रम
डॉ. शेरोन अरविंद	"मसालों की प्रजातीय प्रगति" पर व्याख्यान	29-08-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर में "मसाला फसलों में उच्च उपज और गुणवत्ता के लिए बेहतर तकनीक" (बागवानी और वृक्षारोपण विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रायोजित) पर प्रशिक्षण के दौरान व्याख्यान दिया गया।
डॉ. मनीषा एस.आर	कृषि में वैज्ञानिक अनुसंधान करियर	21-12-2022	केरल कृषि विश्वविद्यालय में RAWE के छात्रों के लिए व्याख्यान दिया गया
डॉ. मुहम्मद निसार वी. ए.	जायफल की उत्पत्ति, फसल सुधार और खेती-एक परिचय	03-08-2022	आईआईएसआर में अनामलाई जायफल उत्पादक संघ को जायफल उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने पर व्याख्यान दिया गया
श्री मुकेश शंकर. एस.	“आर का परिचय” पर व्याख्यान	13-09-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में "जीवन विज्ञान प्रोग्रामिंग से मिलता है" विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई
सुश्री अल्फिया पी वी	हल्दी पर विशेष ध्यान देने के साथ तमिलनाडु में महत्वपूर्ण मसाला फसलों का मूल्यवर्धन।	31-8-2022	एमआईडीएच ने कोयंबटूर के किसानों के लिए 'हल्दी के मूल्यवर्धन' पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रायोजित किया। (22 व्यक्ति)
सुश्री अल्फिया पी वी	हल्दी में प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के अवसर।	13-9-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड (ऑनलाइन) में मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए मसाला फसलों की खेती और व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देने वाला तीन दिवसीय सहयोगात्मक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी)
सुश्री अल्फिया पी वी	नवीन खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियाँ	24-9-2022	डीजीएमईएस ममपाड कॉलेज द्वारा खाद्य प्रौद्योगिकी में संकाय विकास कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया गया
डॉ. सोना चार्ल्स	जैव सूचना विज्ञान में उपयोगिताएँ पर व्याख्यान	13-09-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में "जीवन विज्ञान प्रोग्रामिंग से मिलता है" विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई
डॉ. सोना चार्ल्स	“आर का उपयोग करके डेटा विज़ुअलाइज़ेशन” पर व्याख्यान	14-09-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में "जीवन विज्ञान प्रोग्रामिंग से मिलता है" विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई

अन्य गतिविधियां

पुरस्कार/सम्मान/मान्यताएँ

- डॉ. ई. जयश्री को वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि इंजीनियरिंग नवाचार पर इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स के 56वें वार्षिक सम्मेलन और "भारत @2047: कृषि इंजीनियरिंग परिप्रेक्ष्य' पर 09-11 नवंबर, 2022 के दौरान तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय कोयंबटूर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'फेलो ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग- 2022' के रूप में सम्मानित किया गया। ।
- डॉ. ई. जयश्री को 23-25 नवंबर, 2022 के दौरान विजयवाड़ा में आयोजित ऑयल पाम पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'फेलो सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ ऑयल पाम रिसर्च एंड डेवलपमेंट- 2022' के रूप में सम्मानित किया गया था।
- डॉ. सी. सेल्लापेरुमल को डॉ. बी वसंतराज डेविड फाउंडेशन, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा प्रदान किए गए 'युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2022' प्राप्त हुआ।
- डॉ. एच. जे. अक्षिता ने अक्षिता, एच. जे., शिवकुमार, एम. एस., शिवरंजनी, आर., अंकेगौड़ा, एस. जे., मोहम्मद फैसल, पी., होन्नप्पा असंगी और बालाजी राजकुमार, एम. द्वारा लिखित "काली मिर्च की उपस्थिति और गुणवत्ता पर सुखाने के विभिन्न तरीकों का प्रभाव" शीर्षक वाले सार के लिए 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार' प्राप्त किया। जो पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर 02-03 दिसंबर, 2022 को सीएचईएस, आईसीएआर-आईआईएचआर, मडिकेरी, कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया था।
- श्री मुकेश शंकर. एस ने "जीनोम वाइड एसोसिएशन मैपिंग रणनीति का उपयोग करके मोती बाजरा में पर्ण विस्फोट प्रतिरोध प्रदान करने वाले जीन की पहचान और सत्यापन" शीर्षक वाले सार के लिए 'सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार' प्राप्त किया। जो सतत और भरपूर फसल के लिए मेंडल गार्डन की देखभाल पर आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली में 16-18 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में प्रस्तुत किया था।

नई नियुक्तियाँ

डॉ. आर दिनेश ने आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड के नए निदेशक का पदभार संभाला

डॉ. आर दिनेश, प्रधान वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) ने 8 दिसंबर, 2022 को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड के नए निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने मिट्टी की उर्वरता, मिट्टी जैव रसायन और कृषि योग्य मिट्टी की मृदा सूक्ष्म जीव विज्ञान, उष्णकटिबंधीय वनों और मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र के अंतर्गत मिट्टी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पौध-सूक्ष्मजीव संपर्क के क्षेत्र में उनके योगदान और बारहमासी बागवानी के तहत मिट्टी में पोषक चक्र और पोषक तत्व उपयोग दक्षता पर उनके प्रभाव ने अनुसंधान के नए क्षेत्रों को खोल दिया है। वह इनकैप्सुलेशन (बायोकैप्सूल), डिजाइनर माइक्रोन्यूट्रिएंट्स और पीजीपीआर फॉर्मूलेशन के माध्यम से कृषि के लिए महत्वपूर्ण रोगाणुओं के लिए नवीन वितरण प्रणाली के सह-आविष्कारक हैं, जिन्हें व्यावसायीकरण के लिए कई निजी कंपनियों को गैर-विशेष रूप से लाइसेंस दिया गया है। इनमें से छह फॉर्मूलेशन को पेटेंट से सम्मानित किया गया है। वह राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के फेलो हैं और उन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और उन्होंने 50 से अधिक उच्च प्रभाव वाले शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

अन्य गतिविधियां

नई नियुक्तियाँ

नाम	पद	कार्यग्रहण की तिथि
डॉ. सी. के. तंकमणी	निदेशक (प्रभारी) एवं परियोजना समन्वयक (कार्यवाहक)	1-5-2022 to 7-12-2022
श्री. पवन गौड़ा एम.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	05-09-2022

स्थानांतरण

नाम	पद	----को कार्यग्रहण / कार्यमुक्त	संस्था (को/से)
डॉ. मुहम्मद अज़हरुद्दीन टी.पी	वैज्ञानिक (पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी)	12-08-2022	आईसीएआर-एनआरआरआई, कटक से आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड को
डॉ. मनीषा एस.आर.	वैज्ञानिक (फल विज्ञान)	31-08-2022	आईसीएआर-सीसीएआरआई, गोवा से आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड को
डॉ. मणिमारन बी	वैज्ञानिक (सूत्रकृमि विज्ञान)	05-09-2022	आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली से आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड को
श्री बाबू आर के	वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी	19-10-2022	आईसीएआर-सीआईबीए, चेन्नई से आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड को
डॉ. एम अलगुपलमुतिरसोलै	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप दैहिकी)	01-12-2022	आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड से आईसीएआर-एसबीआई, कोयंबत्तूर को

नई परियोजना पहल

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	अवधि		परियोजना में भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ
		से	तक	
1.	कृषि में नैनोटेक्नोलॉजी का जोखिम मूल्यांकन: मिट्टी के बैक्टीरिया समुदायों पर धातु और धातु ऑक्साइड नैनोकणों का प्रभाव, मिट्टी की माइक्रोबियल प्रक्रियाएं और जीनोमिक दृष्टिकोण का उपयोग करके फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन। (बहु संस्थागत-राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष, भारत)	2020	2023	सह अन्वेषक
2.	प्रमुख मसालों में चयनित माध्यमिक मेटाबोलाइट मार्गों के चित्रण के लिए कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक जीवविज्ञान दृष्टिकोण (बहु संस्थागत-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत)	2017	2023	सह अन्वेषक

3.	काली मिर्च को संक्रमित करने वाले प्रमुख सूत्रकृमियों के खिलाफ फ्लुओपाइरम की नेमाटीसाइडल प्रभावकारिता के आकलन पर बायर्स क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित संविदा अनुसंधान परियोजना।	2022	2024	डॉ. सी. सेल्लापेरुमल
4.	अदरक को संक्रमित करने वाले प्रमुख सूत्रकृमियों के खिलाफ फ्लुओपाइरम की नेमाटीसाइडल प्रभावकारिता के आकलन पर बायर्स क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित संविदा अनुसंधान परियोजना।	2022	2024	डॉ. सी. सेल्लापेरुमल

छात्रों का कॉर्नर

छात्र	थीसीस का शीर्षक	विश्वविद्यालय	मार्गदर्शक
पी.एच.डी. उपाधि			
डॉ. प्रषीना मोल पी.	कुरकुमा स्पीसीस से कुरकुमिन बायोसिंथेटिक जीन और प्रतिलेखन कारकों की विविधता और लक्षण वर्णन।	कालिकट विश्वविद्यालय	डॉ. टी. ई. षीजा
डॉ. के. पी. सुबिला	काली मिर्च के पीलेपन से जुड़ी पाइथियम प्रजाति पर अध्ययन (पाइपर नाइग्रम एल.)	कालिकट विश्वविद्यालय	डॉ. आर. सुशीला भाय
पीएचडी पंजीकरण			
आर्या टी ई	कुरकुमा लोंगा एल (हल्दी) में पाथवे जीन के अतिअभिव्यक्ति और विनियमन द्वारा कुरकुमिन जैवसंश्लेषण की मेटाबोलिक इंजीनियरिंग।	कालिकट विश्वविद्यालय	डॉ. टी. ई. षीजा
फातिमा दिलकुश	बैक्टीरियल एंडोफाइट्स से प्राप्त मेटाबोलाइट्स का जैव-परीक्षण और लक्षण वर्णन तथा पायथियम स्पीसीस के विरुद्ध अदरक और उनकी जैव-प्रभावकारिता।	कालिकट विश्वविद्यालय	डॉ. सी. सारधांबाल
कृष्णप्रिया एन. पी.	जीनस गार्सीनिया के अर्क के गुणदायक अनुप्रयोगों पर अध्ययन	कालिकट विश्वविद्यालय	डॉ. के. अनीस
एम एससी शोध प्रबंध			
नाम	**एम एससी थीसीस का विषय**	**जिस विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किया गया**	**उपाधि**
कृष्णा एम. एस.	जायफल की विशिष्ट किस्मों का रूपात्मक, जैव रासायनिक और आणविक लक्षण वर्णन	भारतीदासन विश्वविद्यालय	एमएससी वनस्पति विज्ञान

प्रकाशन

शोध पत्र

- अक्षिता, एच.जे., प्रसाथ, डी., उमेशा, के., फैसल, एम. पी. और वेंकटरावणप्पा, वी. (2022)। आरएपीडी और एसएसआर मार्करों का उपयोग करके अदरक जीनोटाइप का आणविक लक्षण वर्णन। *जर्नल ऑफ हॉर्टीकल्चरल सायन्सस*, 17(1), 95-102। डीओआई: https://doi.org/10.24154/jhs.v17i1.1052
- बिजु, सी.एन., भट, ए. आई., नवीन, के. पी., और प्रसाथ, डी. (2022)। रोगसूचकता और आणविक परख के माध्यम से वायरस मुक्त अदरक जर्मप्लाज्म अक्सेशनों की पहचान। *इंडियन फाइटोपैथोलॉजी*, 1143-1149.https://doi.org/10.1007/s42360-022-00548-y
- दिनेश, आर., श्रीनिवासन, वी., प्रवीणा, आर., सुबिला, के. पी., प्रिया जॉर्ज, अक्षय दास, षजिना, ओ., अनीस, के., लीला, एन. के. और हरिता, पी. (2022) हल्दी (करकुमा लोंगा एल.) में बेहतर उपज और गुणवत्ता के लिए पी घुलनशील राइजोबैक्टीरिया की क्षमता की खोज। *इन्डस्ट्रियल क्रॉप्स एंड प्रोडक्ट्स*, 189, 115826। https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2022.115826
- ईपन, एस.जे., तोमस, एल., प्रवीणा, आर. और सेंतिल कुमार सी.एम. (2022)। भारतीय मसालों के लिए कीटनाशक विनियमन नीति और वैश्विक खाद्य सुरक्षा। *जर्नल ऑफ कन्स्यूमर प्रोटक्शन एंड फुड सेफ्टी,* 17, 407-410। https://doi.org/10.1007/s00003-022-01387-9
- जॉर्ज, जे. के., फयाद, एम. ए., शेल्वी, एस., शीजा, टी. ई., ईपेन, एस. जे., चार्ल्स, एस., राय, ए. और कुमार, डी., (2022). इलुमिना और नैनोपोर अनुक्रमण का उपयोग करके डी नोवो हाइब्रिड बेरी ट्रांस्क्रिप्टोम प्रोफाइलिंग और पाइपर प्रजातियों (पाइपर नाइग्रम और पाइपर लोंगम) के लक्षण वर्णन का डेटासेट। *डेटा इन ब्रीफ*, 42. https://doi.org/10.1016/j.dib.2022.108261
- गौड़ा, एम. टी., सेल्लपेरुमाल, सी., रेड्डी, आर., और पांडे, के.के. खेत की स्थितियों के तहत भिंडी को संक्रमित करने वाले मेलोइडोगाइन इनकॉग्निटा के खिलाफ राइजोबैक्टीरियल तरल फॉर्मूलेशन की विरोधी क्षमता। *वेजिटबिल सायन्सस*, 49(2): 241-247.
- गौड़ा, एम.टी., मीना, बी.आर., कृष्णन, एन., मंजूनाथ, एम., और सेल्लपेरुमाल, सी. (2022)। रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स ओकरा को संक्रमित करने वाले रूट-नॉट नेमाटोड मेलोइडोगाइन इनकॉग्निटा (एबेलमोस्चस एस्कुलेंटस एल. मोएंच) के प्रबंधन के लिए, देशी बैसिलस स्पीसीस का उत्पादन करते हैं। *जैविक नियंत्रण*, 171, 104951। https://doi.org/10.1016/j.biocontrol.2022.104951
- जयश्री, ई., और बशीर, एन. (2022)। बिजली से चलने वाले हल्दी पॉलिशर में पॉलिश करने के दौरान हल्दी की गुणवत्ता में भिन्नता। *जर्नल ऑफ स्पाइसेस एंड एरोमैटिक क्रॉप्स*, 31 (1): 34-44.https://doi.org/10.25081/josac.2022.v31.i1.7562
- जयश्री, ई., और जोसेफ़, डी. (2022)। बायोमास बैकअप के साथ सोलर टनल ड्रायर में सुखाए गए जायफल (मिरिस्टिका फ्रेग्रेंस) की भौतिक-रासायनिक गुणवत्ता मूल्यांकन और सुखाने की विशेषताएं। *जर्नल ऑफ स्पाइसेस एंड एरोमैटिक क्रॉप्स*, 31 (2): 166-176। https://doi.org/10.25081/josac.2022.v31.i2.7801
- जीवलता, ए., फातिमथ जुमैला, बिजु, सी.एन. और पुण्य, के.सी. (2022)। अदरक प्रकंदों से पाइथियम स्पीसीस और राल्स्टोनिया स्यूडोसोलानेसीरम का एक साथ पता लगाने के लिए डुप्लेक्स रीकॉम्बिनेज़ पोलीमरेज़ एम्प्लीफिकेशन परख। *क्रॉप प्रोटक्शन*। 161. https://doi.org/10.1016/j.cropro.2022.106057.
- जीवलता, ए., जुमैला, एफ., बिजु, सी.एन., और पीरन, एम.एफ. (2022)। काली मिर्च के खुर गलन और पीलापन बीमारियों से जुड़े फाइटोफ्थोरा, पाइथियम और फ्यूसेरियम का एक साथ पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर परख। *जर्नल ऑफ स्पाइसेस एंड एरोमैटिक क्रॉप्स*, 31(1): 92-96। https://doi.org/10.25081/josac.2022.v31.i1.7739

प्रकाशन

- जोस, डी. ए., भभिना, एन. एम., लीला, एन. के., विशुद्ध, एम., आरती, एस., और प्रसाथ, डी. (2022)। भारत में हल्दी के भौगोलिक संकेत के फाइटोमेटाबोलाइट्स और स्वास्थ्य लाभों का विस्तृत मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ स्पाइसेस एंड एरोमैटिक क्रॉप्स*, 31 (1): 45-55। https://doi.org/10.25081/josac.2022.v31.i1.7668
- कोरीकंतिमत्त, वी.एस. और कृष्णमूर्ति, के.एस. (2022) कर्नाटक में इलायची और इलायची-आधारित फसल प्रणालियों पर कृषि संबंधी जांच पर समीक्षा। *जर्नल ऑफ स्पाइसेस एंड एरोमैटिक क्रॉप्स*, 31 (2): 111-133। https://doi.org/10.25081/josac.2022.v31.i2.7332
- मनीषा, एस. आर., देशाई, एस., देवी, एस. पी., और गुप्ता, एम. जे. (2022)। ड्रिप फर्टिगेशन के लिए अनानास (अनानास कोमोसस (एल.) मेर.) की फसल जल आवश्यकता का अनुमान। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट*, 13(9): 973-980। डीओआई: https://doi.org/10.23910/1.2022.2805
- प्रसाथ, डी., नायर, आर. आर., और बाबू, पी. ए. (2022)। कोशिका विज्ञान, प्रकंद आकृति विज्ञान और एसन्शयल तेल सामग्री पर अदरक (ज़िंगिबर ऑफ़िसिनेल रोस्को) के कोल्सीसिन प्रेरित टेट्राप्लोइड का प्रभाव। *जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च ऑन मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स*, 31, 100422। https://doi.org/10.1016/j.jarmap.2022.100422
- रवींद्रन, ए., जयश्री, ई. और अनीस, के. (2022)। मसालों का एसन्शयल तेल और ओलियोरेसिन के निष्कर्षण में हालिया प्रगति: एक समीक्षा। *एग्रिकल्चरल रिव्यू*. डीओआई: 10.18805/एजी.आर-2519
- सारधाम्बाल, सी., जीवलता, ए., शिवरंजनी, आर., बिजु, सी. एन., चार्ल्स, एस., श्रीनिवासन, वी., जॉर्ज, पी., पीटर, बी. और राधिका आर. (2022)। काली मिर्च में फाइटोफ्थोरा कैप्सिसी संक्रमण के खिलाफ अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल उपनिवेशण जैव रासायनिक, आणविक रक्षा प्रतिक्रियाओं और जड़ एक्स्यूडेट संरचना को बदल देता है। *राइसोस्फियर*। 25, 100651. https://doi.org/10.1016/ j. rhisph.2022.100651.
- सारधाम्बाल, सी., शिवरंजनी, आर., श्रीनिवासन, वी., अलगुपलमुथिरसोलै, एम., सुबिला, के.पी. और अनामिका, बी. (2022)। काली मिर्च कतरन की वृद्धि, खनिज पोषक तत्व ग्रहण, प्रकाश संश्लेषण और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधियों पर अर्बुस्क्यूलर माइकोरिज़ल इनोक्यूलेशन का प्रभाव, *जर्नल ऑफ़ प्लांट न्यूट्रिशन*, 46(1); 1-17. https://doi.org/10.1080/01904167.2022.2160736
- सारधाम्बाल, सी., श्रीनिवासन, वी., दिनेश, आर., जीवलता, ए., प्रभु, जी. और शहाना, ए.पी. (2022)। बाजरा नेपियर हाइब्रिड: एक बारहमासी घास अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल इनोकुलम के बड़े पैमाने पर गुणन के लिए एक प्रभावी मेजबान है। रेंज मानेजमेंट & एग्रौफोरस्ट्री। 43 (1): 80-87
- शिवकुमार, एम.एस., आरती, एस., अक्षिता, एच.जे., सजी, के.वी., कृष्णमूर्ति, के.एस. और शशिकुमार, बी. (2022)। काली मिर्च (पाइपर नाइग्रम एल.) की किस्मों की विशेषता और स्पाइक और बेरी लक्षणों के लिए भूमि प्रजातियों/किसानों का चयन। *जर्नल ऑफ स्पाइसेस एंड एरोमैटिक क्रॉप्स*, 31 (2): 134-142.डीओआई: https://doi.org/10.25081/josac। 2022.v31. i2.8087
- शिवरंजनी, आर. और जकारिया, टी.जे. (2022)। एलिसिटर्स ने हल्दी (करकुमा लोंगा एल.) प्रकंद के एसन्शयल तेल घटकों में परिवर्तन को प्रेरित किया। *जर्नल ऑफ हॉर्टीकल्चरल सायन्सस,* 17(1), 237-244। https://doi.org/10.24154/jhs.v17i1.1079

तकनीकी समाचार

- अलगुपलमुतिरसोलै, एम., शारोन अरविंद, कृष्णमूर्ति, के.एस., तंकमणी, सी.के., प्रसाथ, डी., श्रीनिवासन, वी., अक्षिता, एच.जे., जॉर्ज, जे., सारधाम्बाल, सी., राधा, ई., रमा, जे., ईपन, एस.जे., निर्मल बाबू, के., आनंदराज, एम., जॉनी ए.के. और रवीन्द्रन पी.एन. (सं.), (2022). आईसीएआर-एआईसीआरपीएस किस्में (तमिल)। भाकृअनुप-अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड, केरल, भारत 55 पृ।

प्रकाशन

- जॉर्ज, जे., शेरोन अरविंद, कृष्णमूर्ति, के. एस., अलगुपलमुतिरसोलै, एम., तंकमणी, सी.के., रमा, जे., ईपन, एस.जे. और निर्मल बाबू, के. (सं.) (2022)। मसालों की उन्नत कृषि पद्धतियों के माध्यम से अनुसूचित जाति के किसानों की आजीविका में सुधार। भाकृअनुप -अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड, केरल, भारत 30 पृ.।
- शारोन अरविंद, प्रसाथ, डी., मुकेश शंकर, एस., शिवकुमार, एम.एस., अक्षिता, एच.जे., आरती, एस., सजी, के. वी. और रमा, जे. (संपा.)। (2022)। आईसीएआर-आईआईएसआर की मसालों की किस्में। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, केरल, भारत। 62 पृ.

पुस्तक अध्याय

- अनीस, के., ईपन, एस.जे. और निर्मल बाबू, के. (2022)। मसालों की स्वास्थ्य लाभकारी क्षमता: पारंपरिक चिकित्सा का आधुनिक चिकित्सा से मेल। आयुर्वेद में-विस्तारित सीमाएँ। एवीएस कोट्टक्कल द्वारा प्रकाशित। पीपी 310-320.
- गौड़ा, एम. टी., पाटिल, जे. सेल्लपेरुमाल, सी. और हलदर, जे. (2022)। पौधों की सुरक्षा में एंटोमोपैथोजेनिक नेमटोड की भूमिका। पौध संरक्षण में: वर्तमान विकास और भविष्य की रणनीतियाँ। (सं.), बानिक, एस एंड हैल्डर, जे. पीपी. 303-337। टुडे एंड टुमोरो मुद्रक एवं प्रकाशक, नई दिल्ली-02.
- जनार्दनन, एस., और चार्ल्स, एस. (2022)। कंदीय फसलों में ओमिक्स: कसावा और शकरकंद। बागवानी फसलों में ओमिक्स। जी.आर. राउट और के. वी. पीटर (सं.), पीपी. 527-543। अकादमिक प्रेस. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-89905-5.00021-5
- मालती, वी.एम., लक्ष्मी, एम.ए., और चार्ल्स, एस. (2022)। फसलों में जैविक तनाव सहनशीलता के लिए जीनोमिक्स और ट्रांसक्रिप्टोमिक्स दृष्टिकोण के अनुप्रयोग। फसल सुधार के लिए ओएमआईसीएस और जीनोम संपादन के सिद्धांतों और प्रथाओं में। प्रकाश, सी.एस., फयाज़, एस., फहद, एस. (संपा.), पीपी. 93-122। चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1007/978-3-030-96925-7_4
- शिवरंजनी, आर., रमेश, एस.वी. और प्रवीण, एस. (2022)। भोजन का चयापचय भाग्य और इसकी जैवउपलब्धता: पौधे-आधारित पोषण की संकल्पना। (संपा). रमेश, एस.वी. और प्रवीण, एस. पीपी.181-205। स्प्रिंगर पब्लिशर्स, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-19-4590-8_9

प्रशिक्षण मैनुअल

- चार्ल्स, एस., मुकेश शंकर, एस., जयराजन के. और फयाद, एम. ए. (सितंबर, 2022)। लाइफ सायन्स मीट्स प्रोग्रामिंग पर एक ऑनलाइन कार्यशाला। (व्याख्यान नोट्स), भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड। पीपी. 100. [आईआईएसआर प्रशिक्षण मैनुअल/2022/01]
- चार्ल्स, एस., मुकेश शंकर, एस., जयराजन के. और फयाद, एम. ए. (सितंबर, 2022)। जीवन विज्ञान पर एक ऑनलाइन कार्यशाला प्रोग्रामिंग से मिलती है। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड। पीपी. 100. [आईआईएसआर प्रशिक्षण मैनुअल/2022/01]
- जयश्री ई., अनीस, के., अल्फिया, पी.वी., तोमस, एल., राजीव, पी. और तंकमणी, सी.के. (2022)। काली मिर्च के मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण मॉड्यूल। भाकृअनुप -भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, केरल, भारत, 49 पी।
- जयश्री ई., अनीस, के., अल्फिया, पी.वी., तोमस,, एल., राजीव, पी. और तंकमणी, सी.के. (2022)। हल्दी के मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण मॉड्यूल। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड,, केरल, भारत। 37 पी.

प्रकाशन

- जयश्री ई., अनीस, के., अल्फिया, पी.वी., तोमस, एल., राजीव, पी. और तंकमणी, सी.के. (2022)। अदरक के मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण मॉड्यूल। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड,, केरल, भारत।40 पी.
- जयश्री ई., अनीस, के., अल्फिया, पी. वी., तोमस, एल., राजीव, पी. और तंकमणी सी.के. (2022)। जायफल के मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण मॉड्यूल। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड,, केरल, भारत। 45 पी.

पत्रिकाएँ/वार्षिक रिपोर्ट/न्यूज़लेटर

- लीला, एन. के., लिजो तोमस, बिजु, सी.एन., अनीस, के. और प्रसन्नकुमारी एन. (संपा.), (2022). मसलों की महक (वार्षिक हिंदी पत्रिका)। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड,, केरल, भारत। पी। 91.
- मुकेश शंकर, एस., अल्फिया, पी. वी. और जॉर्ज, पी. (2022)। स्पाइस न्यूज़ (जनवरी-जून, 2022)। 33 (1): पृष्ठ 34.
- प्रवीणा, आर. लिजो तोमस, सेंतिलकुमार, सी.एम., अक्षिता एच.जे., अल्फिया, पी. वी (2022)। वार्षिक रिपोर्ट 2022। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, केरल, पी। 84. आईएसबीएन: 978-81-80872-64-2.

संगोष्ठियों/सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों में प्रस्तुत किये गये पेपर

- अल्फिया, पी.वी., जयश्री, ई. और अनीस, के. (9-11 नवंबर 2022)। संवहनी सुखाने के तहत सुखाए गए जायफल जावित्री (मिरिस्टियाक फ्रेग्रेंस) की सुखाने की गतिकी और गुणवत्ता विशेषताओं पर माइक्रोवेव प्रीट्रीटमेंट का प्रभाव, इन: तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु में भारतीय कृषि इंजीनियरों की सोसायटी का 56 वां वार्षिक सम्मेलन। पीपी: 346-347.
- अंकेगौड़ा, एस. जे., वेणुगोपाल, एम.एन., बिजु सी. एन., कृष्णमूर्ति, के. एस. और पीरन, एम. एफ. ((2-3 दिसंबर 2022)। कर्नाटक में मसालों की खेती की समस्याएं और संभावनाएं। पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसएचसीएसटी)-2022। केंद्रीय बागवानी प्रायोगिक स्टेशन, आईसीएआर-आईआईएचआर, चेत्ताली, कोडागु , कर्नाटक।
- अश्वती, ए. पी. एवं प्रसाथ, डी. (17-18 नवंबर 2022)। फ्लो साइटोमेट्री द्वारा प्लोइडी स्तर के आधार पर हल्दी जीनोटाइप का लक्षण वर्णन। प्रौद्योगिकी नवाचारों के माध्यम से बागवानी में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएआरआइ-सीपीसीआरआई, कासरगोड, केरल।
- चार्ल्स, एस., फयाद, एम.ए., कृष्णमूर्ति, के.एस., षीजा, टी.ई. और जॉर्ज, जे.के. (21-23 नवंबर 2022)। *पाइपर नाइग्रम* की डी-नोवो और संदर्भ-आधारित ट्रांसक्रिप्टोम असेंबली से सूखा सहनशीलता में नए जीन और ट्रांसक्रिप्ट का पता चलता है। जैव सूचना विज्ञान में 21वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2022, वर्चुअल मोड (सम्मेलन), किंग अब्दुल्ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय (केएयुएसटी), सऊदी अरेबिया साम्राज्य।
- फयाद, एम.ए., चार्ल्स, एस., शेल्वी, एस. और षीजा, टी.ई. (17-18 नवंबर 2022)। पाइपरिन बायोसिंथेटिक मार्ग में शामिल बीएएचडी एसाइलट्रांसफेरेज़ जीन की पहचान। प्रौद्योगिकी नवाचारों के माध्यम से बागवानी में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएआर-सीपीसीआरआई, कासरगोड, केरल।
- गोबू, आर., मुकेश शंकर, एस., शिवकुमार, एम. एस. और सजी, के. वी. (19-21 जुलाई 2021)। काली मिर्च (*पाइपर नाइग्रम* एल.) जर्मप्लाज्म में लक्षण वर्णन, आनुवंशिक विविधता और सहसंबंध अध्ययन। सतत और भरपूर फसल के लिए मेंडल गार्डन की देखभाल (संगोष्ठी), आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली, पीपी-118।
- जयश्री ई., मेहनारिसवी के.टी., नीथू, के.सी. और अनीस, के. (9-11 नवंबर 2022)। हल्दी (कुरकुमा लोंगा) को सुखाने के लिए माइक्रोवेव शक्ति के स्तर का अनुकूलन और हल्दी के स्लाइस का पूर्व उपचार। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु में भारतीय कृषि अभियंता सोसायटी का 56वां वार्षिक सम्मेलन। पीपी 346-347.

प्रकाशन

- जीवलता, ए., फातिमथज़ुमैला, बिजु, सी.एन. और पुण्या, के.सी. (22-24 अगस्त 2022)। अदरक में पाइथियम स्पीसीस और राल्स्टोनिया स्यूडोसोलानेसीरम का पता लगाने के लिए रीकॉम्बिनेज़ पोलीमरेज़ प्रवर्धन परख । सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में कृषि और खाद्य प्रणाली में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, भारत।
- मनीषा एस.आर., प्रिया देवी, एस., गुप्ता, एम.जे., रमेश, आर. और परवीन कुमार। (2-3 दिसंबर 2022)। गोवा के संभावित कोकुम (*गार्सिनिया इंडिका* चोइसी) अक्सेशनों का संरक्षण और लक्षण वर्णन। (स्मारिका और सार), पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सीएचईएस, आईसीएआर-आईआईएचआर, मडिकेरी, कर्नाटक, पीपी-85।
- मुकेश शंकर, एस., सिंह, एस.पी., श्रीवास्तव, आर., प्रकाश, जी., सौम्या एस.एल., अरुण कुमार, एम.बी., कपूर, सी., हुसैन, एफ., राव, ए.आर., माइत्रा, ए., सिंहल, टी. ., मल्लिक, एम., सत्यवती, सी टी. और अरविंद, जे. (19-21 जुलाई 2021)। जीनोम वाइड एसोसिएशन मैपिंग रणनीति का उपयोग करके मोती बाजरा में पर्ण विस्फोट प्रतिरोध प्रदान करने वाले जीन की पहचान और सत्यापन। सतत और भरपूर फसल के लिए मेंडल गार्डन की देखभाल (संगोष्ठी), आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली, पीपी-229।
- पीरन, एम.एफ., बिजु, सी.एन., अक्षिता, एच.जे., बालाजी राजकुमार, एम., असंगी, एच., शिवकुमार, एम.एस. और अंकेगौड़ा, एस.जे. (2-3 दिसंबर 2022)। अदरक पत्ती धब्बा के लिए रैखिक प्रतिगमन पूर्वानुमान मॉडल का विकास और सत्यापन। "पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसएचसीएसटी)-2022" में। केंद्रीय बागवानी प्रायोगिक स्टेशन, आईसीएआर-आईआईएचआर, चेत्ताली, कोडागु, कर्नाटक।
- प्रसाथ, डी., अक्षिता, एच.जे., शिवकुमार, एम.एस., शारोन अरविंद, गोबू, आर. और सजी, के.वी. ((2-3 दिसंबर 2022)। आर्द्र उष्णकटिबंधीय मसालों में आनुवंशिक विविधता और प्रजातीय संपदा। (स्मारिका और सार), पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सीएचईएस, आईसीएआर-आईआईएचआर, मडिकेरी, कर्नाटक, पीपी-04-11।
- प्रसाथ, डी. और सजी, के.वी. (2-3 दिसंबर 2022)। मसालों की आनुवंशिक विविधता और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए इसकी उपयुक्तता। बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत प्राकृतिक खेती प्रणालियों और जैव विविधता संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एनएएएस क्षेत्रीय खंड-बारापानी, मेघालय, भारत, पीपी 157-166.
- सारधाम्बाल, सी., दिनेश, आर., श्रीनिवासन, वी., षीजा, टी.ई., जीवा वी. और मुहम्मद मंज़ूर। (21-23 सितंबर 2022)। हल्दी राइजोस्फीयर में जीवाणु समुदाय संरचना और संरचना पर अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल कवक और जिंक घुलनशील बैक्टीरिया के सह-इनोक्यूलेशन का प्रभाव। एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) के 62वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका। मैसूर विश्वविद्यालय (यूओएम)। पीपी 552.
- सारधाम्बाल, सी., श्रीनिवासन, वी., शिवरंजनी, आर., जीवलता, ए., सुबिला, के.पी. और जॉर्ज, पी. (22-24 अगस्त 2022)। नर्सरी की स्थितियों में अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल कवक द्वारा काली मिर्च की कटाई की वृद्धि और पोषक तत्व का सेवन सकारात्मक रूप से प्रभावित होता है। सतत विकास लक्ष्य की दिशा में कृषि और खाद्य प्रणाली में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सार। कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर। पीपी 968.
- सेल्लपेरुमाल, सी एट अल। (2-3 दिसंबर 2022)। सूत्रकृमियों का मूल्यांकन करने के लिए भारत के प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में सर्वेक्षण। पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसएचसीएसटी)-2022. केंद्रीय बागवानी प्रायोगिक स्टेशन, आईसीएआर- आईआईएचआर, चेत्ताली, कोडागु, कर्नाटक।
- शिवकुमार, एम.एस., सजी, के.वी., अक्षिता, एच.जे. और असंगी, एच. (2-3 दिसंबर 2022)। बहुभिन्नरूपी तकनीकों का उपयोग करके आनुवंशिक लक्षण वर्णन और मात्रात्मक गुण संबंध काली मिर्च के जर्मप्लाज्म के बीच

विविधता को प्रकट करते हैं। (स्मारिका और सार), पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की बागवानी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सीएचईएस, आईसीएआर-आईआईएचआर, मडिकेरी, कर्नाटक।

- तंकमणी, सी.के., कंडियाण्णन, के., कृष्णमूर्ति, के.एस. और श्रीनिवासन, वी. (5-7 दिसंबर 2022) टिकाऊ मसालों के उत्पादन के लिए जलवायु लचीली रणनीतियाँ। "बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत प्राकृतिक खेती प्रणाली और जैव विविधता संरक्षण" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन। कृषि महाविद्यालय, सीएयू (इम्फाल), किर्डेमकुलई, मेघालय, भारत पीपी 118-124

लोकप्रिय लेख

- अक्षिता, एच.जे., डेक्कम्मा, टी.एन., शिवकुमार, एम.एस., असंगी, एच., अंकेगौड़ा, एस.जे., और बिंदु, सी.आर. (2022)। छोटी इलायची की किसानों की किस्में (अंग्रेजी) स्पाइस इंडिया, 35(9): 23-25।
- अंकेगौड़ा, एस.जे., बिंदु, सी.आर., असंगी, एच., अक्षिता, एच.जे., और डेक्कम्मा, टी.एन. (2022)। इलायची तीव्र गुणन (सकर प्रवर्धन) (अंग्रेजी)। स्पाइस इंडिया, 35 (10): 16-18.
- भट, ए.आई. (2022)। मसाला फसलों में फाइटोप्लाज्मा रोग। स्पाइस इंडिया, 35 (7): 13-15.
- बिजु, सी.एन., जीवलता, ए., पीरन, एम.एफ., मुहम्मद निसार, वी.ए., श्रीनिवासन, वी और तोमस, एल. (2022)। तंडुनाक्कम: जतिक्कु नाशम वितक्कुन्ना रोगम (मलयालम)। स्पाइस इंडिया, 35 (5): 11-13.
- बिजु, सी.एन., जीवलता, ए., पीरन, एम.एफ., मुहम्मद निसार, वी.ए., श्रीनिवासन, वी. और तोमस, एल. (2022)। पश्चक्षय और क्षय-जायफल खेती के लिए उभरता हुआ खतरा (हिन्दी)। स्पाइस इंडिया, 35 (5): 11-13.
- जयश्री, ई. (2022)। मसाला प्रसंस्करण में उद्यमिता विकास, *इंडियन स्पाइस न्यूज़*, 1 (4): 6-7।
- जीवलता, ए., बिजु, सी.एन., भट, ए. आई. और सारधाम्बाल, सी. (2022)। काली मिर्च में रोग निदान एवं प्रबन्धन (हिन्दी)। मसलों की महक. 20-25.
- पीरन, एम.एफ., डेकम्मा, टी.एन., अंकेगौड़ा, एस.जे., बालाजी राजकुमार, एम., अक्षिता, एच.जे., असंगी, एच. और बिंदु, सी.आर. (2022)। अदरक के रोग और उनका प्रबंधन (अंग्रेजी)। स्पाइस इंडिया, 35(8): 17-19.
- प्रवीणा, आर., दिनेश, आर. और आनंदराज, एम. (2022) आईसीएआर-आईआईएसआर को बीज कोटिंग (हिंदी) के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ। मसलों की महक, 2022, पृष्ठ 41-42।
- प्रवीणा, आर., दिनेश, आर. और श्रीनिवासन, वी. (2022)। टिकाऊ मसाला उत्पादन के लिए लाभकारी सूक्ष्मजीव (हिन्दी)। मसलों की महक, 2022, पृष्ठ 43-48
- प्रवीणा, आर., तोमस, एल. और दिनेश, आर. (2022)। मसालों के लिए बायोकैप्सूल (मलयालम)। कन्निमन्ने, अगस्त 2022, पीपी. 9-10।
- सारधाम्बाल, सी., अलगुपलमुतिरसोलै, एम, शिवरंजनी, आर., जीवलता, ए., पीरन, एम.एफ. और प्रसन्नकुमारी, एन. (2022)। अर्बुस्कुलर माइकोराइजा, मसाला फसलों की एक अप्रयुक्त बायोइनोकुलेंट (हिन्दी)। मसलों की महक. 34-36.
- सारधाम्बाल, सी., अनीस, के., जयश्री, ई., मोहनदास, एस. और श्रुति, पी.बी. (2022)। मसालों से यूजिनॉल: जैविक गुण और संभावनाएँ। स्पाइस इंडिया, 35 (7): 10-12।
- सेल्लपेरुमाल, सी., संतोष, जे.ई., बिजु, सी.एन. और पीरान, एम.एफ. (2022)। प्रमुख मसालों में सूत्रकृमियों की समस्याएँ और उसका प्रबन्धन (हिन्दी)। मसलों की महक. 37-41.
- शिवकुमार, एम. एस., बिंदु, सी.आर., अक्षिता, एच.जे., असंगी, एच., डेकम्मा, टी.एन. और अंकेगौड़ा, एस.जे. (2022)। झाडी काली मिर्च (अंग्रेजी)। स्पाइस इंडिया, 35(8): 25-26।
- शिवरंजनी, आर. और जयश्री, ई. (2022)। काली मिर्च के विभिन्न प्रसंस्कृत उत्पाद: एक तुलना, स्पाइस इंडिया, 35 (6): 24-26

प्रकाशन

- तकमणी, सी.के., कंडियाण्णन, के. और रमा, आर. (2022)। बुश जायफल. इंडियन हॉर्टिकल्चर. 67 (4): 13-14.
- तंकमणी, सी. के., प्रकाश, के. एम., कंडियण्णन, के., श्रीनिवासन, वी. और जयराजन, के. (2022)। अदरक की खेती के लिए नारियल पत्ती मल्चिंग एक वरदान (हिन्दी)। मसालों की महक, 42-44.

विस्तार पुस्तिका

- अंकेगौड़ा, एस.जे., भट्ट, ए.आई., जयश्री, ई., लीला, एन. के., सेंतिलकुमार, सी.एम., अलगुपलमुतिरसोलै, एम., अक्षिता, एच.जे., पीरन, एम.एफ. (2022)। इलायची। विस्तार पुस्तिका 2022/01, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड। पृष्ठ 28.
- प्रसाथ, डी., कृष्णमूर्ति, के. एस., प्रवीणा, आर., जयश्री, ई., लीला, एन. के., सेल्लपेरुमाल, सी. और आरती, एस. (2022)। हल्दी। विस्तार पुस्तिका 2022/02, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड । पृष्ठ 28.

फ़ोल्डर

- तंकमणी, सी.के., श्रीनिवासन, वी., प्रवीणा, आर., सारधाम्बाल, सी., शण्मुगवेल, एम. और श्रीहरि, एस. (2022)। जैविक खेती के लिए उपयुक्त हल्दी की किस्में।

प्रकाशक
निदेशक
भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान
कोषिक्कोड
संपादक:
डॉ. मुकेश शंकर
सुश्री अलफिया पी. वी.
डॉ. प्रिया जॉर्ज
डॉ. मुहम्मद अज़हरुद्दीन टी. पी.
हिंदी अनुवाद एवं संपादन:
सुश्री. एन. प्रसन्नकुमारी
डॉ. एस. आर. मनीषा
डॉ. सी. एन. बिजु
छायाचित्र एवं डिज़ाइन:
श्री. सुधाकरन ए.
लेआउट:
के. जयराजन
एम. अनीना